राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.CHHHIN/2022/83847 | वर्ष-04 > अंक -211 | बिलासपुर | शनिवार 27 दिसंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

राष्ट्रपति 27 से 30 दिसंबर तक गोवा, कर्नाटक और झारखंड का दौरा करेंगी

डिलीवरी पार्टनरों की देशव्यापी हड़ताल से स्विगी और इटरनल के शेयर 2 प्रतिशत लुढ़के

इंडिगो ने 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर जारी करना किया शुरू

नईदिल्ली, । एजेंसी

इंडिगो ने हालिया ऑपरेशनल संकट से प्रभावित यात्रियों को राहत देते हुए आज (26 दिसंबर) से 10,000 रुपये के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू किया है। एयरलाइन के अनुसार, दिसंबर की शुरुआत में हुई रुकावटों से हजारों उड़ानें प्रभावित हुई थीं। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे और इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि यह कदम यात्रियों को असुविधा की भरपाई के लिए उठाया गया है। इंडिगो ने बताया कि जिन यात्रियों की फ्लाइट तय समय से 24 घंटे के भीतर रद्द हुई, उन्हें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक का मुआवजा मिलेगा। यह राशि टिकट रिफंड के अलावा दी जाएगी। एयरलाइन का कहना है कि सभी पात्र यात्रियों को नियमों के तहत पूरा मुआवजा दिया जाएगा और किसी भी दावे को अनदेखा नहीं किया जाएगा।

पीएम बोले- वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया

मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए थे वीर साहिबजादे

नई दिल्ली संवाददाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से खास संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं।' उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया।'

उन्होंने कहा, 'वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।'

वीर साहिबजादों को छोटी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा :पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, वीर बाल दिवस श्रद्धा का दिन है, जो बहादुर साहिबजादों के बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है। हम माता गुजरी जी के अटूट विश्वास और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की अमर शिक्षाओं को याद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह दिन साहस, दृढ़ विश्वास और धर्मपरायणता का प्रतीक है। यह दिन साहस, दृढ़ विश्वास और धर्मपरायणता से जुड़ा है। उनका जीवन और आदर्श पीढ़ियों तक लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा कि वीर बाल दिवस के अवसर पर धर्म पथ पर अडिग रहे वीर साहिबजादों के अमर बलिदान को शत-शत नमन। कम आयु में भी उन्होंने धर्म, सत्य और साहस की जो मिसाल दी, वह युगों-युगों तक प्रेरणीय रहेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, वीर बाल दिवस पर देश, धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले गुरु गोबिंद सिंह महाराज के चारों वीर साहिबजादों की अमर शहादत को शत-शत नमन। वीर बाल दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं, युवा पीढ़ी के संस्कार, साहस और राष्ट्रबोध के निर्माण का राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल से वीर बाल दिवस की शुरुआत इस भाव के साथ की गई कि वीर साहिबजादों का अद्वितीय त्याग देश की चेतना, चरित्र और भविष्य की दिशा बने।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी समेत 20 प्रतिभाशाली बच्चों को दिया बाल पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज शुक्रवार 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के अवसर पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी सहित देश के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया. यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने साहस, खेल, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं नवाचार, समाज सेवा, कला और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देकर देश का नाम रोशन किया है.

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से न केवल अपने परिवार बल्कि समाज और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि आज का भारत अपने बच्चों की प्रतिभा, साहस और संवेदनशीलता के बल पर निरंतर आगे बढ़ रहा है.

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2022 से 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. इसके पीछे इतिहास का एक अत्यंत प्रेरक अध्याय जुड़ा हुआ है. उन्होंने सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके चार साहिबजादों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व सत्य और न्याय की रक्षा के लिए उन्होंने अद्वितीय साहस का परिचय दिया.

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया

एजेंसी

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश को 51 वोट मिले। जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) के पी शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन (UDF) उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले। जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया। दरअसल 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों का रिजल्ट आया था। 50 वार्डों पर भाजपा जीती थी। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा था। LDF ने 29 और कांग्रेस गठबंधन (UDF) ने 19 वार्ड जीते थे। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ है। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। इनमें 6 कॉर्पोरेशन, 86 नगर पालिकाएं, 14 डिस्ट्रिक्ट काउंसिल, 152 ब्लॉक पंचायत और 941 ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

अमित शाह का एक्शन प्लान : ऑर्गेनाइज्ड क्राइम पर 360 डिग्री प्रहार की तैयारी

नई दिल्ली. एजेंसी

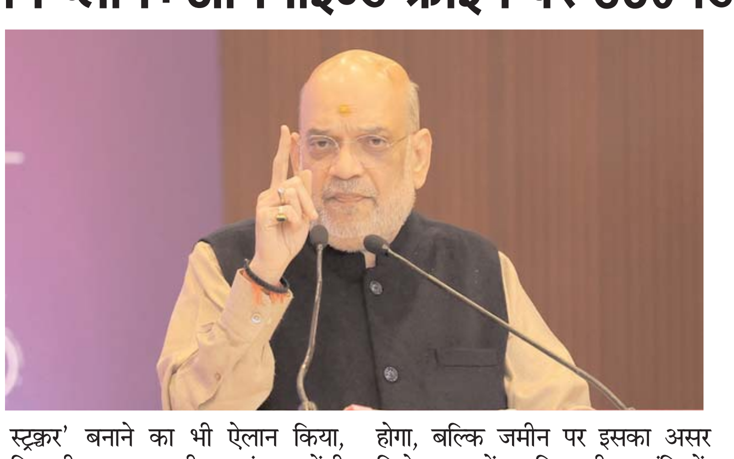

देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अब तक का सबसे बड़ा और कड़ा संदेश दिया है। नई दिल्ली में आयोजित 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' में शिरकत करते हुए उन्होंने साफकर दिया है कि मोदी सरकार आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर चलते हुए एक व्यापक और घातक '360 डिग्री एक्शन प्लान' लाने जा रही है। इस प्लान के निशाने पर मुख्य रूप से खालिस्तानी अलगाववादी, नशीले पदार्थों के तस्कर और विदेशों में बैठकर भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले गैंगस्टर्स होंगे। गृह मंत्री ने देश की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए सभी राज्यों की पुलिस के एंटी टेरर स्क्वायड को मिलाकर एक 'कॉमन स्ट्रक्चर' बनाने का भी ऐलान किया, जिसकी कमान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के हाथों में होगी।

गृह मंत्री ने सम्मेलन में स्पष्ट किया कि जल्द ही सरकार संगठित अपराध के खिलाफएक ठोस रणनीति लेकर आ रही है। यह एक्शन प्लान सिर्फ कागजी नहीं होगा, बल्कि जमीन पर इसका असर दिखेगा। इसमें खालिस्तानी आतंकियों, ड्रग तस्करों और विदेशों में सक्रिय गैंग्स के खिलाफ 'श्री सिक्स्टी डिग्री' कार्रवाई की जाएगी। इसका मतलब है कि अपराधी दुनिया के किसी भी कोने में छिपा हो, कानून का हाथ उस तक पहुंचेगा। अमित शाह ने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा अभेद्य और मजबूत 'आतंकवाद निरोधी ग्रिड' बनाना है, जो हर तरह की चुनौती का सामना कर सके और देश को सुरक्षित रख सके।

राज्यों के ATS का होगा एक कॉमन स्ट्रक्चर: सुरक्षा ढांचे में बड़े बदलाव का संकेत देते हुए अमित शाह ने कहा कि देशभर की पुलिस का एक कॉमन ढांचा स्ट्रक्चर होना बहुत जरूरी है. उन्होंने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों (DGPs) को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द इसका अनुपालन करें. यह पूरा स्ट्रक्चर NIA की अगुवाई में काम करेगा. गृह मंत्री का मानना है कि 'ऑपरेशनल यूनिफॉर्मिटी' यानी कामकाज में एकरूपता होने से ही खतरे का सही आंकलन हो पाएगा।

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़-एजेंसी पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को इंटरनेट मीडिया पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि इस संबंध में राज्यपाल की ओर से अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। साथ ही उन्होंने इस मामले पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार किया है। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें राज्यपाल कटारिया के खिलाफ आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का प्रयोग किया गया। पोस्ट में लिखा गया है- सुन रे गुलाबचंद, तेरी औकात में रह करणी सैनिकों, मारो रे इसे जब और जहां मिलें। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

दबाव में आई यूनुस सरकार, हिंदुओं के घरों में आग लगाने वालों की पहचान बताने पर देगी इनाम

ढाका: एजेंसी

बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार हिंदुओं की हत्या और हमलों के लेकर भारत के भारी दबाव में आ गई है। भारत सरकार ने ढाका में हिंदू युवक की हत्या किए जाने और कई हिंदू घरों में आग लगाए जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए यूनुस सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं देश भर के हिंदू संगठन यूनुस सरकार के खिलाफभारत में प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे अंतरिम सरकार दबाव में आ गई है। अब बांग्लादेश पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव के पास एक हिंदू स्वामित्व वाले घर में आग लगाने वाले हमलावरों की जानकारी देने पर इनाम की घोषणा की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार - बांग्लादेश में बदलते राजनीतिक परिदृश्य में भीड़ हिंसा एक बड़ी संकट के रूप में उभरी है। चटगांव रेंज के पुलिस प्रमुख अहसान हबीब ने बुधवार रात को हिंदुओं पर हमला करने वालों की पहचान बताने पर इनाम की पेशकश की। इत्तेफ़ाक़ अखबार ने की रिपोर्ट के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने मंगलवार रात घर में आग लगा दी, लेकिन निवासी सुरक्षित रूप से बाहर निकल आए। परिवार के सदस्यों ने कहा कि वे सुबह के समय आग की गर्मी महसूस करने के बाद जागे, लेकिन शुरुआत में बाहर नहीं निकल सके क्योंकि दरवाजे बाहर से ताला लगा दिए गए थे।

हिंदुओं के घरों पर लगा दी थी आग अराजकों ने दो हिंदू परिवारों के आठ सदस्यों ने टिन की चादरें और बांस की बाड़ वाले घर में आग लगा दी थी। वह किसी तरह जलते घर से भाग निकले। बीते सप्ताह इसी क्षेत्र में हिंदू परिवारों के घरों को निशाना बनाकर आगजनी की एक श्रृंखला हुई। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

विदेश | विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की चेतावनी

हिंदुओं पर हमला' : भारत ने बांग्लादेश को दी वॉर्निंग, कहा- दोषियों को मिलेगी सजा

नई दिल्ली एजेंसी। बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति की हालिया हत्या को लेकर भारत ने सख्त रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाने वाली घटनाओं की श्रृंखला चिंताजनक है और ऐसी हिंसा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार सीमा पार हो रही इन घटनाओं पर गंभीरता से ध्यान दे रही है। उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की निंदा करते हुए उम्मीद जताई कि जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत सजा दिलाई जाएगी। जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुश्मनी बहुत चिंता की बात है। हम बांग्लादेश में हाल ही में एक हिंदू युवक की हत्या की निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस अपराध के दोषियों को सजा मिलेगी।

बांग्लादेश की लोकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ताजा घटना बुधवार को ढाका से करीब 145 किलोमीटर पश्चिम में राजबाड़ी शहर के पांग्शा उपजिला में हुई। द डेली स्टार ने पुलिस के हवाले से बताया कि अमृत मंडल नाम के पीड़ित को उगाही के आरोपों के बाद स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। वहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान की स्वदेश वापसी पर भारत की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने रहमान की वापसी पर कहा है कि भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का समर्थन करता है; इस घटनाक्रम को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

अमेरिका की नाइजीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक

ट्रम्प बोले-ईसाइयों की हत्या के जवाब में की कार्रवाई

वॉशिंगटन ,एजेंसी ।

अमेरिका ने नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की है। उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में किए गए इन हवाई हमलों के वीडियो भी अमेरिका की ओर से जारी किए गए हैं। इस ऑपरेशन की जानकारी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए बताया कि यह कार्रवाई ढुङ्खार आतंकियों द्वारा ईसाइयों की हत्याओं के जवाब में की गई है। उन्होंने लिखा कि कमांडर-इन-चीफ के रूप में उनके निर्देश पर अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में सक्रिय ढुङ्खार गुटों के खिलाफ बेहद सटीक और प्रभावशाली हमला किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डिपार्टमेंट ऑफ वार ने इन हवाई हमलों का फुटेज साझा किया। विभाग के मुताबिक, यह ऑपरेशन पूरी रात चला और इसे शक्ति के माध्यम से शांति का उदाहरण बताया गया। बताया जा रहा है कि नाइजीरिया में यह अमेरिका की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई है। यह अभियान हाल ही में सीरिया के मध्य शहर पल्मायरा के पास अमेरिकी और सीरियाई बलों के काफिले पर हुए एक संदिग्ध इस्लामिक स्टेट हमले के कुछ दिनों बाद शुरू किया गया।

राष्ट्रपति ने कहा कि ये आतंकी लंबे समय से निर्दोष ईसाइयों को निशाना बनाकर हिंसा कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि पहले भी आतंकियों को चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने ईसाइयों के खिलाफ अत्याचार नहीं रोके, तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। ट्रंप के अनुसार, अब वही चेतावनी कार्रवाई में बदली है।

अपने संदेश में ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी रक्षा विभाग ने कई लक्षित हमले किए और उनके नेतृत्व में अमेरिका कट्टरपंथी आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। उन्होंने सेना के लिए आशीर्वाद की कामना की और क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं। साथ ही यह भी जोड़ा कि अगर आतंकियों की गतिविधियां जारी रहीं, तो आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर हेलीकॉप्टर क्रैश, पांच लोगों की मौत

दार एस सलाम एजेंसी।

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर एक दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। तंजानिया नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (टीसीएए) ने गुरुवार को पुष्टि की कि बराफू कैंप के पास एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी पांच लोगों की जान चली गई। टीसीएए ने एक बयान में कहा, गहरे दुख के साथ यह पुष्टि की जाती है कि इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में दो चेक गणराज्य के पर्यटक, एक जिम्बाब्वे का पायलट, एक तंजानियाई चिकित्सक और एक तंजानियाई पर्वत गाइड शामिल हैं। किलिमंजारो क्षेत्र के पुलिस कमांडर साइमन मैग्वाझा ने बताया कि एयरबस एच125 हेलीकॉप्टर एक तंजानियाई कंपनी का था और यह दोनों चेक पर्यटकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण रेस्क्यू कर निकालने के मिशन पर था। हादसा बुधवार दोपहर को हुआ। टीसीएए ने कहा कि दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि उत्तरी तंजानिया में स्थित माउंट किलिमंजारो दुनिया भर के पर्वतारोहियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है। इस बीच, तंजानियाई अधिकारियों ने इस साल की शुरुआत में पर्यटन और परिवहन ढांचे को बढ़ावा देने के लिए केबल ट्रांसपोर्ट (केबल कार) प्रणाली के संचालन से जुड़े नियम लाने की तैयारी की जानकारी दी थी। भूमि परिवहन नियामक प्राधिकरण के महानिदेशक हबीबु सुलुओ ने बताया था कि दार एस सलाम, अरूशा, तांगा, कोस्टा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 : नवाचार से सार्वजनिक सेवा को नई दिशा, छत्तीसगढ़ के श्रेष्ठ प्रशासनिक नवाचारों को मिलेगा सम्मान

जिलों और विभागों से प्राप्त 312 प्रविष्टियों में से 10 नवाचारों का चयन — तकनीक, परिणाम और नागरिक-केंद्रित सेवा पर विशेष जोर

रायपुर संवाददाता। छत्तीसगढ़ में सुशासन की दिशा में हो रहे परिवर्तन और प्रशासनिक संस्कृति के सुदृढ़ होते स्वरूप को रेखांकित करते हुए आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 की घोषणा की । यह पुरस्कार राज्य के विभिन्न जिलों और विभागों द्वारा लागू किए गए उन नवाचारों को सम्मानित करने हेतु दिए जाएंगे, जिन्होंने शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा स्थापित ये पुरस्कार इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य शासन सार्वजनिक प्रशासन के केंद्र में नवाचार, ठोस परिणाम और नागरिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की गुणवत्ता को केवल मंशा या व्यय के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक, मापनीय प्रभाव, विस्तार-योग्यता और जमीनी समस्याओं के समाधान की क्षमता के आधार पर आँका जाना चाहिए। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार इस नई प्रशासनिक सोच को संस्थागत रूप देने का प्रयास हैं, जहाँ तकनीक, संवेदनशीलता और संस्थागत सुधार मिलकर सार्वजनिक सेवा को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि निरंतर हो रहे नवाचारों से साकार होता है। परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर मनाए जा रहे सुशासन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में जनहित को केंद्र में रखकर विकसित किए गए उत्कृष्ट प्रशासनिक नवाचारों को सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 26 के विजेताओं की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शासन में नवाचार कोई विकल्प नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रणालियों को नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप गति, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ निरंतर स्वयं को ढालना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन नवाचारों के सम्मान की आज घोषणा की गई है, वे केवल व्यक्तिगत उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि भविष्य-उन्मुख शासन के लिए अनुकरणीय और दोहराने योग्य मॉडल हैं। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025—26 के लिए एक सुदृढ़ और बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसका उद्देश्य समावेशिता और गुणवत्ता के बीच संतुलन स्थापित करना था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुल 312 नवाचार प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें 275 जिलों से और 37 राज्य स्तरीय विभागों से थे। यह व्यापक सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि शासन के प्रत्येक स्तर पर समस्या-समाधान की नवाचारी सोच विकसित हो रही है। यह प्रवृत्ति समाधान-केंद्रित प्रशासन की ओर हो रहे सांस्कृतिक बदलाव को भी दर्शाती है। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार हेतु दो-स्तरीय चयन प्रक्रिया के अंतर्गत पहले चरण में 55 नवाचारों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इसके बाद 13 नवाचारों को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया और अंततः 10 विजेता नवाचारों का चयन किया गया, जिनमें जिला और विभागीय श्रेणियों से समान संख्या में प्रविष्टियाँ शामिल रहीं। मूल्यांकन के दौरान परिणामों को 50 अंक, विस्तार-योग्यता को 40 अंक और नवाचार को 10 अंक का भार दिया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि सम्मान केवल विचारों पर नहीं, बल्कि वास्तविक और प्रभावशाली परिणामों पर आधारित हो। जिला श्रेणी के विजेताओं में दंतेवाड़ा जिले की ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण पहल एक प्रमुख उदाहरण के रूप में सामने आई। इस नवाचार के माध्यम से मैनुअल और कागजी प्रक्रियाओं को समाप्त कर ब्लॉकचेन आधारित छेड़छाड़-रोधी प्रणाली लागू की गई, जिससे भूमि अभिलेख प्राप्त करने का समय हफ्तों से घटाकर कुछ ही मिनटों में संभव हो सका। इस पहल से दस्तावेज़ी धोखाधड़ी पूरी तरह समाप्त हुई और सेवा प्रदाय में अभूतपूर्व तेजी आई, जिसने आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में राजस्व प्रशासन के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अंतर्गत नवीनीकरण तथा नवीन पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जनवरी

बालोद, (आरएनएस)। शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 12वीं से उच्चतर कक्षाओं के लिए ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का पंजीयन की कार्यवाही वेबसाइट पोस्ट मैट्रिक-स्कॉलरशीप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर की जा रही है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाईन नवीनीकरण तथा नवीन पंजीयन हेतु 15 जनवरी 2026 तक की तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को ऑनलाईन आवेदन करते समय आधार सीडेड बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा है। इसके साथ ही सत्र 2025-26 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से एनएसपी पोर्टल से ओटीआर प्राप्त करना आवश्यक है। ओटीआर के संबंध में अधिक जानकारी छात्रवृत्ति पोर्टल से प्राप्त की जा सकती है।

जशपुर के युवाओं के लिए अवसर—नवसंकल्प में निःशुल्क सीजीपीएससी टेस्ट-सीरीज़ शुरू

जिला प्रशासन की पहल से 18 टेस्टों की तैयारी योजना, अभ्यर्थियों को मिलेगा तैयारी का लाभ

जशपुरनगर, नवसंकल्प शिक्षण संस्थान, जशपुर में आगामी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा 2025 के लिए निःशुल्क टेस्ट-सीरीज़ शुरू की गई है। यह पहल जिला प्रशासन के सहयोग से की गई है, ताकि जिले के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। सीजीपीएससी 2025 की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है और इस वर्ष कुल 265 पदों के लिए भर्ती प्रस्तावित है। प्रतियोगी छात्रों की तैयारी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नवसंकल्प में 17 दिसम्बर 2025 से टेस्ट-सीरीज़ प्रारंभ कर दी गई है, जिसका अंतिम चरण 14 फरवरी 2026 को पूरा होगा। इस टेस्ट-सीरीज़ में कुल 18 टेस्ट शामिल किए गए हैं। पहले चरण में 10 टेस्ट विभिन्न टॉपिक्स पर आधारित होंगे। दूसरे चरण में 5 टेस्ट विषय-वार संचालित किए जाएंगे। अंतिम चरण में 3 फुल-लेंथ टेस्ट लिए जाएंगे, ताकि अभ्यर्थियों को वास्तविक परीक्षा जैसे माहौल में अभ्यास का अवसर मिल सके। संस्थान की प्राचार्या सुश्री दुर्गेश्वरी सिंह ने बताया कि सभी टेस्ट प्रत्येक बुधवार और शनिवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक टेस्ट में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जिन्हें वर्तमान परीक्षा-पैटर्न के अनुरूप विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है। टेस्ट-सीरीज़ पूरी तरह ऑफलाइन आयोजित की जा रही है।

जिला पंचायत बालोद में 26 दिसंबर को किया जाएगा वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन

बालोद, 2 भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला पंचायत बालोद में 26 दिसंबर को जिला स्तरीय वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दसवें सिक्ख गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के वीर पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का मुख्य कार्यक्रम 26 दिसंबर को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका और योगदान को रेखांकित करेंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत बागवानी फसल का जिले के अऋणी किसान 31 तक ले सकते हैं लाभ

जशपुरनगर, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी 2025-26 सीजन के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है।

इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचालित रूप से कर दिया जाएगा, बशर्ते उन्होंने रबी 2025 के लिए फसल ऋण लिया हो। लेकिन अऋणी कृषकों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए स्वयं पहल करनी होगी। किसान नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र सी.एस.सी. सेंटर अथवा मोबाईल एप्प के द्वारा या बचत खाताधारक किसान संबंधित बैंक में जाकर बीमा करा सकते है। इसके साथ ही अऋणी कृषकों के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, स्वयं के नाम की भूमि रिकॉर्ड बी-1 की प्रति, बुआई प्रमाण पत्र, सक्रिय बैंक खाते की प्रति, जिसमें खाता संख्या और आई.एफएस.सी. कोड तथा निर्धारित प्रीमियम राशि लेकर बीमा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा रबी फसलों के लिए बीमा प्रीमियम बीमांकित राशि का केवल 5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। टमाटर के लिए 6000.00 रुपये प्रति हेक्टेयर, बैगन 3850.00 रू. प्रति हेक्टेयर, पत्तागोभी 3500.00 रू. प्रति हेक्टेयर, फुलगोभी 3500.00 रु. प्रति हेक्टेयर, प्याज 4000.00 रु. प्रति हेक्टेयर एवं आलू 6000.00 रु. प्रति हेक्टेयर की दर से बीमा प्रीमियम निर्धारित किया गया है। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक जशपुर ने इस संबंध में बताया कि खरीफ 2024 में जिले के 78 किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा मुआवजा कुल 3 लाख 36 हजार 743 प्राप्त किया था, जो इस योजना की सफलता और किसानों को होने वाले लाभ का स्पष्ट प्रमाण है।

कोंडागांव के अटल परिसर का मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

कोण्डागांव,25 दिसंबर (आरएनएस)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को कोंडागांव नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बंधा तालाब गार्डन के पास 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल परिसर का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया गया, जहां उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विभाग के भारसाधक मंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के कुल 115 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का एक साथ वर्चुअल लोकार्पण किया गया।कोंडागांव में आयोजित स्थानीय लोकार्पण कार्यक्रम नगरपालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर नमन किया तथा देश के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि अटल जी सादगी, विनम्रता के धनी व्यक्तित्व के साथ ओजस्वी वक्ता थे। उनके नेतृत्व में सड़क, पुल-पुलिया सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के विकास को नई दिशा मिली। साथ ही पोखरण में परमाणु परीक्षण कर उन्होंने देश को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाया। नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने भी अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, जिससे वर्षों पुरानी जनआकांक्षाएं पूर्ण हुईं। कार्यक्रम को मनोज जैन एवं दीपेश अरोरा ने भी संबोधित किया। सुशासन दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से नगरवासियों का स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और राशन कार्ड के लिए शिविर लगाकर आवेदन प्राप्त किया गया। इस अवसर पर कुलवंत चहल, जितेन्द्र सुराना, हरेंद्र यादव, जैनेन्द्र

छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की विचारधारा पर आगे बढ़ रहा प्रदेश- विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बोड़ला में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में नवनिर्मित अटल परिसर का किया लोकार्पण

कवर्धा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर 25 दिसम्बर को राज्य के 115 शहरों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बोड़ला से वर्चुअली माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े रहे। कबीरधाम जिले के नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, उपाध्यक्ष लव निर्मलकर, जनपद अध्यक्ष बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेरावी, अमित वर्मा, डॉ. रूपनाथ मानिकपुरी, संदीप गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया गया है, जिसका शुभारंभ आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से किया गया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनका छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव था। उन्होंने वर्ष 1998 में रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि हम नए राज्य का निर्माण करेंगे। अटल जी ने अपना यह संकल्प पूरा कर छत्तीसगढ़ को एक अलग पहचान दिलाई।

उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की। इसके परिणामस्वरूप गाँव-गाँव तक सड़कें पहुँचीं। सड़क निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवागमन में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह सब अटल जी की दूरदर्शी सोच और विकासशील दृष्टिकोण का परिणाम था।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि किसानों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश भर सहित बालोद जिले के अटल परिसरों का किया वर्चुअल लोकार्पण

0जिले के दल्लीराजहरा, चिखलाकसा, डौण्डी, गुरूर, गुण्डरदेहरी और अर्जुंदा में हुआ लोकार्पण

बालोद,। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज प्रदेश भर सहित बालोद जिले के 06 नगरीय निकायों में अटल परिसर का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। उन्होंने अटल जी को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए कहा कि अटल जी के नेतृत्व में देश में विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई दिशा प्राप्त की है। उनका समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने का संकल्प आज भी हमारी शासन नीति का केन्द्रीय आधार है। यही भावना छत्तीसगढ़ सरकार के प्रत्येक कार्यक्रम, योजना और निर्णय का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शासन को सशक्त बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार, पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध सेवाओं की आपूर्ति और जनविश्वास की पुर्नस्थापना का प्रयास लगातार जारी है। मुख्यमंत्री साय ने वर्चुअल माध्यम से जिले के नगर पालिका दल्लीराजहरा, नगर पंचायत चिखलाकसा, डौण्डी, गुरूर, गुण्डरदेहरी और अर्जुंदा में नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित किया। नगर पालिका दल्लीराजहरा में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष तोरण साहू, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि पवन साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवलाल ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकगण उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा नगर के वरिष्ठजनों का शॉल-फल भेंटकर सम्मानित किया।इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के अलावा छत्तीसगढ़ में विकास की गंगा बहाकर छत्तीसगढ़ के नवनिर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। इसी प्रकार नगर पालिका अध्यक्ष तोरण साहू ने छत्तीसगढ़ के विकास हेतु पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के द्वारा की गई सौगातों के संबंध में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। समारोह को पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवलाल ठाकुर एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि पवन साहू ने भी संबोधित कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के देश के नवनिर्माण में उनके योगदानों पर प्रकाश डाला।

छत्तीसगढ़ में पुष्प खेती से बदल रही किसानों की तकदीर, राज्य में 12 हजार हेक्टयेर में फूल की खेती

दो साल में बढ़ा 3405 हेक्टेयर रकबा

रायपुर । छत्तीसगढ़ के खेतों में अब धान की फसल के साथ-साथ खुशबू और रंग भी लहलहाने लगे हैं। परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए प्रदेश के किसान तेजी से पुष्प खेती की ओर रुख कर रहे हैं। बीते दो वर्षों में राज्य में फूलों की खेती का रकबा 3405 हेक्टेयर बढ़ा है और उत्पादन 35 हजार 866 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। यह बदलाव न सिर्फखेती के स्वरूप को बदल रहा है, बल्कि किसानों की आमदनी में भी नई खुशहाली घोल रहा है।

राज्य सरकार की फसल विविधिकरण नीति के तहत वर्तमान में पुष्प फसलों का कुल रकबा 12 हजार हेक्टेयर हो चुका है। किसान अब ग्लेडियोलस, रजनीगंधा और गेंदा जैसे फूलों की खेती कर रहे हैं, जिन्हें बाजार आसानी से मिल जाता है। मांग स्थिर होने के कारण फूल किसानों के लिए नगदी फसल बनते जा रहे हैं।

केंद्र परिवर्तित राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत पुष्प क्षेत्र विस्तार के लिए प्रति हेक्टेयर 50 हजार से 2.50 लाख रुपए की इकाई लागत पर 40 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है, यानि किसानों को 20 हजार से एक लाख रुपए तक की सहायता सीधे मिल रही है।

उद्यानिकी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्लेडियोलस और रजनीगंधा फूल की अधिकतम दो हेक्टेयर में खेती पर अनुदान की पत्रता का प्रावधान है, जो कि 2.5 लाख की इकाई लागत पर एक लाख रुपए है। राज्य में इस वर्ष 125 हेक्टेयर में ग्लेडियोलस तथा 50 हेक्टेयर में रजनीगंधा पुष्प की खेती का लक्ष्य रखा गया है। गेंदा फूल की खेती के लिए इस वर्ष 1200 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। इसकी खेती करने पर 50 हजार की लागत पर 20 हजार रुपए अनुदान का प्रावधान है। इस तरह राज्य में कुल 1375 हेक्टेयर क्षेत्र में पुष्प खेती के लिए सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है।राज्य में संरक्षित खेती के तहत पॉलीहाउस और शेडनेट में एंथुरियम, ऑर्किड, कार्नेशन, जरबेरा, गुलाब, क्राइसेंथिमम और लीलियम जैसे उच्च मूल्य वाले फूलों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। एंथुरियम और ऑर्किड के लिए 4000 वर्गमीटर तक 1000 रुपए प्रति वर्गमीटर की लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। इसी तरह गुलाब, क्राइसेंथिमम और लीलियम पर 45 रुपए प्रति वर्गमीटर की लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पुष्प खेती किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं को कृषि से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। सरकार अनुदान, तकनीक और बाजार की व्यवस्था कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी की मंशा और साय के सुशासन पर पानी फेर रहे हैं बकावंड के अधिकारी

हजम कर गए पीएम आवास और मजदूरी राशि =

आज तक अधूरा पड़ा है फूलमती का आवास =

बकावंड, । विकासखंड बकावंड में सुशासन में अधिकारी बिल्कुल नहीं दिख रहा है। अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि साय के सुशासन को दागदार करने में कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। गरीबों के पसीने की कमाई को भी हजम करने में अधिकारी कर्मचारी गुरेज नहीं कर रहे हैं। पीएम आवास योजना में भी गफ्लत कर किया जा रहा है। गरीबों का आवास बने या नहीं उनकी तिजोरी भरती रहनी चाहिए। बकावंड ब्लाक की ग्राम पंचायत टलनार में ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवास की पूरी राशि हितग्राही को नहीं मिल पाई है। वहीं आवास निर्माण में मनरेगा राशि हितग्राही को भुगतान न कर ऐसे व्यक्ति के नाम मस्टर रोल में नाम डाल दिया गया, जिसनर रत्ती भर भी काम नहीं किया है। बिना काम किए ही दूसरे व्यक्ति को भुगतान करना दर्शा दिया गया। जबकि आवास निर्माण में कई दिनों तक पसीना बहा चुकी महिला हितग्राही को फूटी कौड़ी भी नहीं मिली। सरपंच सचिव की मनमानी और भ्रष्टाचार के चलते हितग्राही को उसकी पारिश्रमिक राशि और आवास की बची किश्त भी नहीं मिल पाई है। नतीजतन हितग्राही का आवास आज तक अधूरा पडा है। हितग्राही फूलमती ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक उसे सिर्फ 95 हजार रुपए ही मिल पाए हैं। मजदूरी राशि भी फूलमती को नहीं दी गई है। परेशान फूलमती के शिकायत करने के वाबजूद सरपचं सचिव चुप बैठे हैं। गांव में चर्चा है कि आवास की बाकी राशि सरपंच, सचिव और जनपद पंचायत बकावंड के कर्मियों ने हजम कर ली है। ऐसे में गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की परिकल्पना भला कैसे फलीभूत होगी

छह माह बाद भी ज्वाइनिंग नहीं: 20 शिक्षकों पर कार्रवाई की तैयारी, जांच दल गठित

रायपुर। शिक्षक युक्तियुक्तकरण को लगभग छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद 11 मिडिल स्कूल शिक्षकों ने अब तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। खास बात यह है कि इन शिक्षकों के अभ्यावेदन पहले ही अमान्य घोषित किए जा चुके हैं। समय पर ज्वाइनिंग नहीं देने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसे गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक (जेडी) ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं और जांच दल का गठन किया है।

जांच की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को सौंपी गई है। इस आदेश के बाद बिना पदभार ग्रहण किए बैठे शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

शासन के निर्देश पर जून माह में जिले में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया था। इसके तहत शहर और आसपास के स्कूलों में आवश्यकता से अधिक पदस्थ शिक्षकों को शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों में भेजा गया। जिले में करीब साढ़े सात सौ शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया था। इस प्रक्रिया के खिलाफ कई शिक्षक हाईकोर्ट पहुंचे, जहां से कुछ को राहत भी मिली। वहीं, जिला और संभाग स्तरीय समितियों के समक्ष भी अभ्यावेदन प्रस्तुत किए गए।

हालांकि, मिडिल स्कूल के 11 शिक्षकों को किसी प्रकार की राहत नहीं मिली और उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। इसके बावजूद उन्होंने अब तक नए स्कूलों में ज्वाइनिंग नहीं दी है। शासन के आदेश पर इन शिक्षकों का वेतन पहले ही रोका जा चुका है, लेकिन इसके बाद भी वे नए पदस्थापन स्थल पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

संयुक्त संचालक आरपी आदित्य ने संभाग स्तर पर ऐसे सभी शिक्षकों के मामलों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, जांच के बाद इनके खिलाफसख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें बर्खास्तगी की अनुशंसा तक शामिल हो सकती है। कुछ मामलों में ब्रेक सर्विस की प्रक्रिया अपनाने की भी चर्चा है।बताया जा रहा है कि युक्तियुक्तकरण के बाद दूर-दराज के स्कूलों में जाने से कई शिक्षक बच रहे हैं। पहले निलंबन जैसी कार्रवाइयों से उन्हें अपेक्षित असर नहीं पड़ा, इसलिए अब विभाग सीधे कठोर कदम उठाने की तैयारी में है।

प्राइमरी स्कूल के 9 शिक्षक भी जांच के दायरे में

इधर, प्राइमरी स्कूल के 9 सहायक शिक्षकों ने भी नई पोस्टिंग मिलने के बावजूद अब तक पदभार ग्रहण नहीं किया है। संयुक्त संचालक ने जिला शिक्षा अधिकारी को इनके खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही इनके मामलों में भी अलग से जांच दल गठित किया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उड़ीसा में हुए मुठभेड़ में सीसी मेंबर गणेश उइके सहित छै माओवादियों के मारे जाने की खबर

रायपुर । ओडिशा राज्य में हुए पुलिस माओवादी मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उइके के मारे जाने की खबर है, गणेश उइके पर लगभग 1करोड़ 20 लाख रुपए रुपए इनाम घोषित था । गणेश उइके को पाका हनुमंथु और राजेश तिवारी के नाम से भी जाना जाता है। लंबे अरसे से गणेश उइके छत्तीसगढ़ राज्य में सक्रिय रहकर कार्य कर रहा था,माओवादी संगठन ने गणेश को उड़ीसा राज्य की दी थी जिम्मेदारी, गणेश उइके की 7 राज्यों में थी तलाश , साउथ सब जोनल का इंचार्ज था गणेश , तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला है गणेश उइके, मारे गए नक्सलियों में 2 महिला समेत 4 पुरुष सहित 6 नक्सलीयों के मारे जाने की खबर है ।

बीजापुर में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, डाक विभाग के चार कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े गए

बीजापुर। नगर में भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (छ्त्तग्ढ़) ने गुरुवार रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआई की टीम ने शहर के ताज होटल में छापा मारकर डाक विभाग से जुड़े चार कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई रात करीब 8.30 बजे की गई, जब सीबीआई ने आरोपियों के पास से 40 हजार रुपये नकद बरामद किए।

प्रोफेसर कॉलोनी में आयोजित श्रीरामकथा में श्री सीताराम का विवाह समारोह सम्पन्न

रायपुर। श्री राम उत्सव समिति के द्वारा प्रोफेसर कालोनी में 21 दिसंबर से 28 दिसम्बर तक दोपहर 2 बजे से लेकर संध्या 6 बजे तक प्रतिदिन श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रीरामकथा के चौथे दिन श्री सीताराम का विवाह सम्पन्न हुआ।

श्री राम कथा आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजक ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त श्री रामकथा को कथा व्यास आचार्य राष्ट्रीय संत श्री नित्यानंद बापू अयोध्या द्वारा श्रद्धालुओं को प्रवचन के माध्यम से श्रीराम भगवान के चरित्र का बखान कर रहे हैं।

आज 25 दिसम्बर को श्री राम वनवास केंवट प्रसंग पर कथा वाचक राष्ट्रीय संत द्वारा प्रेरक प्रसंग सुनाया जाएगा। 26 दिसंबर को सीता हरण, शबरी नवधा भक्ति एवं हनुमंत चरित्र पर चर्चा होगी। 27 दिसम्बर को सुंदरकाण्ड एवं राम का राज्याभिषेक समारोह का आकर्षक वर्णन बापू द्वारा किया जाएगा। श्रीराम कथा का सीधा प्रसारण नित्यानंद बापू यूट्यूब चैनल पर प्रतिदिन किया जा रहा है। समिति के अनुसार इस कथा का आयोजन श्री सीताराम जी की कृपा और श्री हनुमान जी महाराज की परम आशीर्वाद से कथा का आयोजन किया जा रहा है। 28 दिसम्बर को हवन पूजन, गीता पाठ एवं भोजन प्रसादी भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। समिति ने प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर 2 में सभी श्रद्धालुओं और धर्म प्रेमियों को कथा श्रवण करने की अपील की है।

इस आयोजन को सफ ल बनाने के लिए समिति में प्रमुख रूप से प्रेम राज साव, अर्जुन शर्मा, ईश्वर नायक, पवन सोनकर, पवन साहू, योगेंद्र साहू, सुशील कश्यप, कुशवाहा जी, टेकचंद धीरे, बबलू यदु, रामप्रसाद राणा, हेमंत पंसारी, नंदा सिन्हा एवं समाज के अन्य प्रमुख धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में कई इलाकों में शीतलहर के आसार, तापमान में और गिरावट की

रायपुर । छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार गहराता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर का असर दर्ज किया गया, वहीं आने वाले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट की संभावना जताई गई है। खासकर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनने के संकेत मिले हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक दुर्ग जिले के कुछ स्थानों पर शीतलहर चली। वहीं अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी बड़ा अंतर देखने को मिला। प्रदेश का सबसे अधिक तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज हुआ, जबकि सबसे कम पारा अंबिकापुर में 5.5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया, जो कड़ाके की ठंड का संकेत देता है।

रायपुर में बुधवार को दिन का तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब 1.1 डिग्री अधिक रिकॉर्ड हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम रहा। दिन के दौरान हल्की धूप और शाम के समय ठंड का अहसास बना रहा। हवा की गति भी लगभग 2 किलोमीटर प्रति घंटा रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 25 दिसंबर को रायपुर में सुबह के समय धुंध छाने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान लगभग 12 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद जताई गई है। प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है और कहीं भी बारिश की स्थिति नहीं है। विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिनों तक भी वर्षा की संभावना नहीं है। वहीं विभाग ने लोगों से ठंड के इस दौर में सतर्क रहने, गर्म कपड़े पहनने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

छग से राज्यसभा में जाने राजनीतिक दलों में मंथन का दौर शुरू

कांग्रेस के केटीएस तुलसी और रंजीत रंजन का कार्यकाल हो रहा समाप्त

भाजपा समर्थित प्रत्याशी को मिलेगी जीत

रायपुर । संसद के उच्च सदन कहे जाने वाले राज्य सभा चुनाव को लेकर अब राजनीतिक दलों में मंथन शुरू हो गया है। देश के कई ख्यातिनाम राजनेताओं की तकदीर का फैसला होगा। वहीं छग में राज्य सभा सांसद केटीएस तुलसी एवं रंजीत रंजन का भी कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। छग में भाजपा का बहुमत है। जिसके चलते अब कई महत्वाकांक्षी नेता राज्यसभा में जाने के लिए प्रयासरत है। मिली जानकारी के अनुसार उच्च सदन कहें जाने वाले राज्य सभा के 2025 26 में कई सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिन राज्यों में राज्यसभा के चुनाव होने वाले है वे है बिहार, महाराष्ट्र, छग तथा पंजाब वहीं राष्ट्रीय दलों में विस चुनाव को लेकर भी कवायद तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल पांडूचेरी सहित विस चुनाव अगले वर्ष होने वाले है। भाजपा में बंगाल को टारगेट में रखा हुआ है। महाराष्ट्र के राज्यसभा के सांसद शरद पवार एवं उपाध्यक्ष पीके हरिवंश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है इसके अलावा अरविंद केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा में जाने के लिए कोशिश कर रहा है बिहार में इस समय भाजपा का बहुमत है इसलिए फिल्म स्टार पवन सिंह सहित अन्य महत्वाकांक्षी नेता राज्य सभा में जाने के लिए कोशिश करेंगे। छग में अधिवक्ता केटीएस तुलसी तथा रंजीत रंजन का कार्यकाल भी अगले वर्ष समाप्त होने वाला है। छग में भाजपा का बहुमत है। कांग्रेस के कुल 34 विधायक है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार अभी हाईकमान से कोई निर्देश नहीं आया है यहां पर कुल अनुपातिक संख्या के आधार पर एक अनुपातिक एक सदस्य का निर्वाचन हो सकता है। भाजपा का बहुमत है इसके चलते भाजपा अपने आरएसएस समर्पित प्रत्याशी को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। कांग्रेस शासन काल में बिहार और पंजाब के प्रतिनिधियों को राज्य सभा में स्थान दिया गया था। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जब हाईकमान से निर्देश आएगा तब यहां पर कार्रवाई शुरू होगी। वहीं भाजपा प्रवक्ता हेमंत पाणीग्रही ने कहा कि कई महत्वाकांक्षी राजनेता राज्यसभा में जाने के लिए आतुर है। इस संबंध में भाजपा हाईकमान के द्वारा कोई भी दिशा निर्देश मिला नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा अभी तक इस संबंध में कोई टाइम टेबल जारी नहीं किया गया है लेकिन राजनीतिक दलों में राजसभा में जाने के लिए मंथन एवं कवायद शुरू हो गया है।

राज्यसभा में एनडीए के सदस्यों की संख्या 129 है। वहीं अन्य दलों की संख्या 29 है। आगामी राज्यसभा चुनाव के बाद एनडीए का बहुमत सदन में रहेगा। जिसके चलते कई महत्वपूर्ण बिल पारित किये जा सकते हैं।

हेप्पी क्रिसमस प्रभु यीशु का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया

0-प्रेयर के लिए राजधानी में जुटे लोग

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में आज क्रिसमस की धूम रही। विभिन्न गिरजाघरों में आकर्षक सजावट एवं इस अवसर पर फटाखे फोड़े गए। राजधानी के बैरन बाजार, राजातालाब एवं अनुपम गार्डन के पास चर्च में क्रिस समुदय के लोगों ने भाग लिया। राजधानी में आज शांता क्लास, क्रिसमस ट्री एवं हेप्पी न्यू एअर की कार्ड बड़ी संख्या खरीदे गए। इसके अलावा यहां पर कैरोल गायन किया गया। प्रभु ईशु के दिए गए वचनों को याद किया गया। इसके पहले क्रिसमस पर एक रैली भी निकाली गई। बैरन बाजार स्थित चर्च में पादरियों ने भाग लिया तथा लोगों को बधाई दी। इसके अलावा चर्च के बाहर प्रभु की जन्म की झांकिया सजायी गई। सेंटपाल कैथेड्रल चर्च, जोसेफ महागिरजाघर बैरन बाजार, सेंट मेरी चर्च टाटीबंध, अमलीडीह चर्च, जोरा चर्च सहित अन्य गिरजाघरों की सजावट की गई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मना रहा

राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे

विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों का चयन प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए किया गया

वीर बाल दिवस पर के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उपस्थिति रहेंगे

रायपुर। भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय आज (26 दिसंबर 2025) को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों को स्मरण किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार वीरता,कला एवं संस्कृति,पर्यावरण,सामाजिक सेवा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल के क्षेत्रों में असाधारण उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 बच्चों का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। यह पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 26 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे,विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा।

वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 26 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम,नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति भी रहेगी, जो बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करेंगे। यह कार्यक्रम वीरता,दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत करेगा,जिससे बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा विकसित भारत ह्र2047 के अनुरूप सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्वागत भाषण देंगी।इस कार्यक्रम में देशभर से स्कूली बच्चे,प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और वीरता की भावना को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह का प्रमुख हिस्सा होंगी।

विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलन, धैर्य और सत्य के मार्ग पर चलना ही वास्तविक साधना कि पावन कथा है शिवमहापुराण : रंजना साहू

धमतरी । धमतरी नगर के सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में पं. हर्ष तिवारी महाराज जी का देवांगन परिवार द्वारा तथा ग्राम अर्जुनी में पं. श्री रुपेश शास्त्री जी का मातृ शक्तियों के सहयोग से आयोजित शिव महापुराण कथा में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान शिव की महिमा का श्रवण कर आध्यात्मिक पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस धार्मिक आयोजन में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू विशेष रूप से शामिल होकर कथा श्रवण करने पहुंची। सर्वप्रथम व्यास पीठ को प्रणाम कर विराजमान कथावाचक पं. हर्ष तिवारी महाराज जी एवं पं. श्री रुपेश शास्त्री जी से आशीर्वाद प्राप्त किए तथा आयोजन समिति, देवांगन परिवार एवं ग्राम अर्जुनी की मातृ शक्तियों को इस पुण्य आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

622 जिलों से 35.29 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने वीबी-जी राम जी अधिनियम पर चर्चा में भाग लिया

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस अधिनियम के अंतर्गत सभी लाभार्थियों में से कम से कम एक तिहाई महिलाएं होंगी

रायपुर । ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों के साथ राष्ट्रीय स्तर की वार्ता की अध्यक्षता की। इस वार्ता में विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पर विचार-विमर्श किया गया। इस वार्ता में देशभर के 622 जिलों के 4,912 ब्लॉकों के 2,55,407 गांवों से 35,29,049 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वार्ता का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के बारे में सदस्यों को जानकारी देना और उनके दृष्टिकोण को समझना था।

इस बैठक में ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों (एसआरएलएम) के वरिष्ठ निदेशक/सीईओ और देश भर के अन्य हितधारक उपस्थित थे।इस वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्राम रोजगार अधिनियम, 2025 को भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक परिवर्तनकारी कानून के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसमें रोजगार सृजन और सशक्त गांवों के निर्माण की क्षमता है। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत कम से कम एक तिहाई लाभार्थी महिलाएं होंगी और अकेले रहे रही महिलाओं को विशेष ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी किए जाएंगे ताकि उन्हें कार्य आवंटन में प्राथमिकता मिल सके।उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम कृषि के चरम मौसमों के दौरान कृषि श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, साथ ही जल सुरक्षा, आजीविका और सतत ग्रामीण विकास को मजबूत करने वाले कार्यों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि स्थायी आजीविका के अवसरों और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढांचे के साथ, प्रत्येक गांव विकास के केंद्र के रूप में उभरने की क्षमता रखता है, जिससे ग्रामीण संकट के कारण होने वाले पलायन में काफी कमी आएगी। मंत्री जी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया, जिसमें उन्होंने अधिनियम के प्रावधानों के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका मंत्री जी ने उत्तर दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियों को आश्वासन दिया कि भारत सरकार उनके कल्याण के लिए हर तरह से प्रतिबद्ध है।ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि सामुदायिक भागीदारी और सामुदायिक स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए 2025 के वीबी-जी आरएएम जी अधिनियम के तहत स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हेप्पी क्रिसमस यीशु का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया

प्रेयर के लिए राजधानी में जुटे लोग

रायपुर । राजधानी में आज क्रिसमस की धूम रही। विभिन्न गिरजाघरों में आकर्षक सजावट एवं इस अवसर पर फटाखे फोड़े गए। राजधानी के बैरन बाजार, राजातालाब एवं अनुपम गार्डन के पास चर्च में क्रिस समुदय के लोगों ने भाग लिया। राजधानी में आज शांता क्लास, क्रिसमस ट्री एवं हेप्पी न्यू एअर की कार्ड बड़ी संख्या खरीदे गए। इसके अलावा यहां पर कैरोल गायन किया गया। प्रभु ईशु के दिए गए वचनों को याद किया गया। इसके पहले क्रिसमस पर एक रैली भी निकाली गई। बैरन बाजार स्थित चर्च में पादरियों ने भाग लिया तथा लोगों को बधाई दी। इसके अलावा चर्च के बाहर प्रभु की जन्म की झांकिया सजायी गई। सेंटपाल कैथेड्रल चर्च, जोसेफ महागिरजाघर बैरन बाजार, सेंट मेरी चर्च टाटीबंध, अमलीडीह चर्च, जोरा चर्च सहित अन्य गिरजाघरों की सजावट की गई है। शहर के विभिन्न गिरजाघरों में बालक यीशु, माता मरियम, संत जोसेफ की प्रतिमाओं को सजाया गया है।

संपादकीय

तमाम बातें हवाई ही बनी रहेंगी

पेरिस स्थित इनइक्वलिटी लैब की यह टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि 'भारत दुनिया के उन देशों में है, जहां गैर-बराबरी उच्चतम स्तर पर है और जिसे कम करने की दिशा में हाल के वर्षों में कोई प्रगति नहीं हुई। वैसे तो यह पूरी दुनिया का हाल है कि आर्थिक गैर-बराबरी 'ऐतिहासिक रूप से उच्चतम स्तर' पर पहुंच गई है और इसमें 'लगातार इजाफा' हो रहा है, लेकिन पेरिस स्थित इनइक्वालिटी लैब की ताजा रिपोर्ट का भारत के संदर्भ में एक अलग महत्त्व भी है। हाल में एजेंसियों ने आंकड़ों के खेल से नैरेटिव बनाने की कोशिश की है कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियां आर्थिक विषमता को घटाने में कामयाब रही हैं। ऐसे में 200 विश्व-स्तरीय अर्थशास्त्रियों के श्रमसाध्य शोध से तैयार इनइक्वालिटी लैब की रिपोर्ट में शामिल दो टिप्पणियां उल्लेखनीय हो जाती हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान समीकरण, दिशाहीन गठ-जोड

भारत विरोधी कूटनीति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का प्रश्न.

गुमराह दिशाहीन बांग्लादेश अब एहसान फ़रामोशी पर उतर आया है, वहां निर्दोष हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर चुन चुन कर हमले किए जा रहे हैं और मौत के घाट उतारा जा रहा है। यह वही बांग्लादेश है जिसे भारत ने पाकिस्तान की दासता से मुक्ति दिलाई थी। किंतु अब 45 वर्षों के बाद बांग्लादेश अगर यह सोचता है कि वह सक्षम देश बन गया है और पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत का नुकसान कर सकता है तो वह बड़ी गलतफहमी का शिकार बन गया है, क्योंकि बांग्लादेश भी अब पाकिस्तान की तर्ज पर जो उसे विनाश की ओर ले जाएगा कट्टर धार्मिक उन्माद का पोषक बन चुका है।

दक्षिण एशिया की राजनीति केवल सीमाओं, समझौतों और सामरिक संतुलन का खेल नहीं है, बल्कि यह स्मृति, संवेदना, इतिहास और नैतिक उत्तरदायित्व का भी परीक्षण है, और इसी कसौटी पर आज बांग्लादेश की वर्तमान दिशा को देखा जाना चाहिए। 1971 में बांग्लादेश का जन्म किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं था, बल्कि वह एक सुनियोजित अन्याय, सांस्कृतिक दमन और मानवीय त्रासदी के विरुद्ध उठे वैश्विक अंतःकरण तथा भारत के निर्णायक हस्तक्षेप का प्रतिफल था, जिसने पूर्वी पाकिस्तान के करोड़ों लोगों को न केवल राजनीतिक स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि उन्हें एक मानवीय अस्तित्व भी प्रदान किया। यह ऐतिहासिक तथ्य आज भी किसी उपकार-बोध की अपेक्षा नहीं करता, किंतु स्मृति-विस्मरण और एहसान-फ़रामोशी जब नीति का रूप ले ले, तब राष्ट्र की वैचारिक नींव डगमगाने लगती है। आज बांग्लादेश में भारत-विरोधी वक्तव्यों, पाकिस्तान के साथ नज़दीकियों और उसी के समानांतर हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हिंसा की घटनाओं को यदि अलग-अलग करके देखा जाए, तो यथार्थ अधूरा रह जाएगा, क्योंकि ये तीनों एक ही वैचारिक विचलन की कड़ियाँ हैं। भारत-विरोध की राजनीति प्रायः आंतरिक विफलताओं से उपजे असंतोष को ढकने का साधन बनती है, जहाँ आर्थिक दबाव, बेरोज़गारी, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और सामाजिक तनाव को बाहरी शत्रु की छवि गढ़कर साधने का प्रयास किया जाता है, किंतु यह अल्पकालिक रणनीति दीर्घकाल में राष्ट्र को आत्मविश्वासहीन और निर्भर बनाती है। पाकिस्तान का उदाहरण सामने है, जिसने भारत-विरोध को अपनी राज्य-नीति का केंद्र बनाकर स्वयं को आर्थिक बदहाली, राजनीतिक अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय अविश्वास और कट्टरपंथ की आग में झोंक दिया, और यदि बांग्लादेश यह मान ले कि पाकिस्तान के साथ गठबंधन कर वह भारत का विरोध करके स्वयं को अधिक सुरक्षित या प्रभावशाली सिद्ध कर सकता है, तो यह न केवल एक रणनीतिक भूल होगी, बल्कि आत्मघाती वैचारिक निर्णय भी सिद्ध होगा। कूटनीति का मूल उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संतुलन, संवाद और दीर्घकालिक हितों की रक्षा होता है, और इसी कसौटी पर बांग्लादेश को यह समझना होगा कि भारत के साथ शत्रुता नहीं, बल्कि सहयोग उसके आर्थिक, सामाजिक और क्षेत्रीय हितों के अधिक अनुकूल है। इस पूरे परिदृश्य में अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमले सबसे गंभीर और संवेदनशील प्रश्न के रूप में सामने आते हैं, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की नैतिक वैधता इस बात से तय होती है कि वह अपने कमजोर वर्गों को कितना सुरक्षित रख पाता है। बांग्लादेश का संविधान धर्मनिरपेक्षता और समान अधिकार की बात करता है, किंतु जब हिंदू नागरिकों के घरों, मंदिरों और आजीविका पर हमले होते हैं, और दोषियों को दंड के बजाय मौन या संरक्षण मिलता है, तो यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि राज्य-चरित्र का संकट बन जाता है। अल्पसंख्यक सुरक्षा के लिए केवल औपचारिक बयान पर्याप्त नहीं, बल्कि ठोस और दृश्यमान उपाय आवश्यक हैं, जिनमें त्वरित और निष्पक्ष जांच, विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, पीड़ितों को त्वरित न्याय और मुआवज़ा, तथा घृणा फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर दंड शामिल होना चाहिए।

यह निजी विचार है।

गुरु गोविन्द सिंह: हिन्दू धर्म और संस्कृति के रक्षक

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में गुरु गोविंद सिंह जी का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी है। वे केवल सिख धर्म के दसवें गुरु ही नहीं थे, बल्कि एक महान योद्धा, दार्शनिक, समाज-सुधारक, हिन्दू धर्म-संस्कृति के रक्षक और राष्ट्र-चेतना के जाग्रत प्रतीक थे। उनकी महान् तपस्वी, महान् कवि, महान् योद्धा, महान् संत सिपाही साहिब आदि स्वरूपों में पहचान होती है। गुरु गोविंद सिंह की जयंती केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि मानवता को साहस, न्याय, आत्मसम्मान और धर्मरक्षा का संदेश देने वाला पर्व है। उनकी जीवन-यात्रा अन्याय के प्रतिकार, सत्य की स्थापना और मानव गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही। वे संपूर्ण भारतीय समाज के आस्था के केंद्र हैं, उनके जीवन से हमें राष्ट्रप्रेम और मानवतावादी धर्म की प्रेरणा मिलती है।

गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब (वर्तमान बिहार) में हुआ। उनके पिता गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। पिता के इस अद्वितीय त्याग ने गुरु गोविंद सिंह जी के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। बहुत कम आयु में ही उन्होंने यह समझ लिया कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, तपस्या और सेवा का अद्भुत संगम रहा। उन्होंने धर्म को कर्म से जोड़ा और आध्यात्मिकता को सामाजिक उत्तरदायित्व का रूप दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि सच्चा धर्म वह है जो निर्बलों की रक्षा करे, अत्याचार का विरोध करे और मानव को आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाए। वे कहते थे कि भय से मुक्त होकर सत्य के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।

1699 में बैसाखी के पावन अवसर पर गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर इतिहास की दिशा ही बदल दी। खालसा का अर्थ है-शुद्ध, निर्भीक और समर्पित जीवन। उन्होंने पाँच प्यारे बनाकर समानता, भाईचारे और त्याग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। खालसा की दीक्षा के माध्यम से उन्होंने जाति, वर्ग और ऊँच-नीच के भेद को समाप्त कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ के अनुयायियों को पंच ककार केश, कड़ा, कंघा, कृपाण, कच्छा धारण करने का निर्देश दिया। ये शौर्य, शुचिता तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के संकल्प के प्रतीक हैं। गुरु ने सिखाया कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और सबका सम्मान समान है। गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाओं का केंद्रबिंदु साहस और करुणा का संतुलन है। वे एक ओर शस्त्र धारण करने की प्रेरणा देते हैं, तो दूसरी ओर दया, प्रेम और सेवा को जीवन का आधार बताते हैं। उनका प्रसिद्ध कथन-÷जब सब उपाय विफल हो जाएँ, तब धर्म के लिए तलवार उठाना न्यायोचित है÷-यह स्पष्ट करता है कि हिंसा उनका उद्देश्य नहीं थी, बल्कि अत्याचार के विरुद्ध अंतिम विकल्प थी।

गुरु गोविंद सिंह भारतीय जीवन मूल्यों की रक्षा और समाज को नए सिरे से संगठित एवं सशक्त करने वाले एक महापुरुष हैं, उनका व्यक्तित्व अलौकिक, साहसी एवं भारतीयता से ओतप्रोत था। उन्होंने आनंदपुर का सुख, माता पिता की छांव और बच्चों का मोह छोड़कर धर्म रक्षा का मार्ग चुना। उन्होंने दमन, अन्याय, अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गुरु तेग बहादुर के बलिदान के बाद 11 नवंबर 1675 को नौ साल की उम्र में गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें गुरु बने। दुनिया में देश व धर्म की रक्षार्थ अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुष तो अनेक मिलेंगे किन्तु अपनी तीन पीढ़ियों, बल्कि यों कहें कि अपने पूरे वंश को इस पुनीत कार्य हेतु बलिदान करने वाले विश्व में शायद एकमेव महापुरुष गुरु गोविन्द सिंहजी ही है। जिन्होंने त्याग, बलिदान एवं कर्तृत्ववाद का संदेश दिया। भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित की। स्वयं की अनन्त शक्तियों पर भरोसा और आस्था जागृत की। सभ्यता और संस्कृति के प्रतीकपुरुष के रूप में जिन्होंने एक नया जीवन-दर्शन दिया, जीने की कला सिखलाई। जिनको बहुत ही श्रद्धा व प्यार से कलगीयां, सरबंस दानी, नीले वाला, बाला प्रीतम, दशमेश पिता आदि नामों से पुकारा जाता है। भारत में फैली दहशत, डर और जनता का हारा हुआ मनोबल देखकर उन्होंने कहा ''मैं एक ऐसे पंथ का सृजन करूँगा जो सारे विश्व में विलक्षण होगा। जिससे मेरे शिष्य संसार के असंख्य लोगों में पहली ही नजर में पहचाने जा सकेंगे। जैसे हिरनों के झुंड में शेर और बगुलों के झुंड में हंस। वह केवल बाहर से अलग न दिखे बल्कि आंतरिक रूप में भी ऊँचे, साहसी और सच्चे विचारों वाले हो।

गुरु गोविंद सिंह एक महान कवि और विद्वान भी थे। उनकी रचनाएँ 'दसम ग्रंथ' में संकलित हैं, जिनमें वीर रस, भक्ति, नीति और दर्शन का अद्भुत समन्वय मिलता है। उनकी कविताएँ आत्मबल जगाती हैं और जीवन में धर्म व मर्यादा का बोध कराती हैं। उन्होंने भाषा, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में जागरण का कार्य किया। उनका पारिवारिक जीवन भी त्याग और बलिदान की अनुपम गाथा है। उनके चारों पुत्र-साहिबजादे, धर्म और सत्य की रक्षा करते हुए शहीद हुए। छोटे साहिबजादों को दीवार में चुनवा दिया गया, फिर भी गुरु गोविंद सिंह जी विचलित नहीं हुए। उन्होंने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर मानवता को यह संदेश दिया कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए व्यक्तिगत दुख भी स्वीकार्य है। यह जीवन-चरित्र मानव इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है।

गुरु गोविंद सिंह जी ने न केवल सिख समुदाय, बल्कि संपूर्ण मानवता को आत्मसम्मान और निर्भीकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्त्रियों को समान सम्मान दिया और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। उनका जीवन बताता है कि आध्यात्मिक व्यक्ति समाज से पलायन नहीं करता, बल्कि समाज को न्यायपूर्ण बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता है। उनका एक अत्यंत क्रांतिकारी निर्णय था-गुरुगद्दी को किसी व्यक्ति के स्थान पर गुरु ग्रंथ साहिब को सौंपना। इससे उन्होंने यह स्पष्ट किया कि गुरु का स्वरूप शाश्वत ज्ञान है, न कि देह। यह निर्णय लोकतांत्रिक चेतना, विनम्रता और आध्यात्मिक परिपक्वता का प्रतीक है। आज जब विश्व हिंसा, असहिष्णुता, भेदभाव और नैतिक संकटों से जूझ रहा है, गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाएँ पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। वे हमें सिखाते हैं कि साहस के बिना सत्य अधूरा है और करुणा के बिना शक्ति विनाशकारी। उनका जीवन संतुलित, मूल्यनिष्ठ और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

गुरु गोविन्द सिंहजी का जीवन एक कर्मवीर की तरह था। भगवान श्रीकृष्ण की तरह उन्होंने भी समय को अच्छी तरह परखा और तदनुसार कार्य आरम्भ किया। उनकी प्रमुख शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य, नशामुक्त जीवन, युद्ध-विद्या, सदा शस्त्र पास रखने और हिम्मत न हारने की शिक्षाएँ मुख्य हैं। उनकी नजर में सत्ता से ऊंचा स्वराष्ट्र, स्व-अस्तित्व, समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। यूं लगता है वे हिन्दू जीवन-दर्शन के पुरोधा बन कर आए थे। उनकी इच्छा थी कि प्रत्येक भारतवासी सिंह की तरह एक प्रबल प्रतापी जाति में परिणत हो जाये और भारत का उद्धार करें। गुरु गोविन्द सिंह जैसे महापुरुष इस धरती पर आये जिन्होंने सबको बदल देने का दंभ तो नहीं भरा पर अपने जीवन के साहस एवं शौर्य से डर एवं दहशत की जिन्दगी को विराम दिया। उनके कारण ही हिन्दू अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को कायम रख पाये।

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर देश और दुनिया के लिए उनका संदेश स्पष्ट है-डरो मत, झुको मत और अन्याय के सामने कभी समझौता मत करो। अपने भीतर की शक्ति को पहचानो, पर उसका प्रयोग सदैव धर्म, मानवता और न्याय के लिए करो। सत्य के मार्ग पर चलने वाले को ईश्वर स्वयं शक्ति देता है। आज आवश्यकता है कि हम उनकी शिक्षाओं को केवल स्मरण न करें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। सत्यनिष्ठा, सेवा, साहस, समानता और त्याग-यदि ये मूल्य हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाएँ, तो समाज में स्वतः ही शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित होगा। उनकी जयंती हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम एक ऐसे विश्व के निर्माण में सहभागी बनें, जहाँ भय नहीं, बल्कि न्याय का शासन हो। उनका जीवन दीपस्तंभ की तरह है, जो अंधकार में भी मार्ग दिखाता है। उनकी शिक्षाएँ समय, देश और सीमाओं से परे हैं।

यह निजी विचार है।

सुशासन के अटल पथ पर अग्रसर छत्तीसगढ़

सुशासन का अटल संकल्प हो रहा साकार

किरण देव

भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में विकास और सुशासन के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विकास की जिस यात्रा की ओर अग्रसर है, उसके पीछे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिया गया सुशासन का वह मंत्र पाथेय है, जिसे केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकारों ने अंत्योदय की रीति-नीति बनाया है। भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कवि हृदय अटल छत्तीसगढ़ से गहरा नाता था। छत्तीसगढ़ निर्माण से पहले रायपुर के सप्रे मैदान में आयोजित चुनावी सभा का दृश्य आज भी मुझे याद है, जब अटल की एक झलक पाने के लिए छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से लोग वहां पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जैसे ही छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का उद्घोष लगाया पूरा मैदान छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति आस्था के भाव से स्पंदित हो उठा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप 11 सीट जीतकर दीजिए, मैं छत्तीसगढ़ राज्य दूंगा। उस चुनाव में हमारी पार्टी के सात सांसद छत्तीसगढ़ से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। श्रद्धेय अटल ने छत्तीसगढ़वासियों से किया गया वादा पूरा कर अपनी संकल्पबद्धता को प्रमाणित कर राजनीतिक प्रतिबद्धता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। 31 जुलाई 2000 को लोकसभा और 9 अगस्त को राज्यसभा में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रस्ताव पर मुहर लगी। चार सितम्बर 2000 को भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशन के बाद एक नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य देश के 26 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया।

सौभाग्य से यह वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता अपने राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल के पुण्य कृतित्व के लिए उन्हें अपनी आदरांजलि प्रकट कर रही है। अटल राजनीति को परमार्थ का माध्यम मानते थे। वह समावेशी विकास के अगुवा थे। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए उन्होंने देशभर के गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा। आज अटल के विजन पर देशभर में 6 लाख किलोमीटर से अधिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कें बन चुकी हैं। अटल की दूरदृष्टि को साकार करती यह महत्वाकांक्षी योजना छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में समृद्धि की वाहक बनी है। इसका आकलन इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले 25 वर्ष में लगभग 22 हजार 750 किमी लम्बी सड़कों का जाल बिछा जा चुका है। अटल को देश में राजमार्ग क्रांति लाने का श्रेय दिया जाता है। अटल के प्रधानमंत्रीत्व काल में शुरू हुई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना राष्ट्रीय राजमार्गों के जरिए देश को एकसूत्र में पिरोती है। 11-13 मई 1998 को पोखरण में परमाणु परीक्षण कर अटल बिहारी वाजपेयी ने दुनिया को बता दिया कि भारत अपनी संप्रभुता एवं अखंडता से कोई समझौता नहीं कर सकता।

अटल का पूरा जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने में समर्पित रहा। उन्होंने केन्द्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की, जिससे जनजातीय समाज के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना जैसी नीतिगत पहल से छत्तीसगढ़ समेत देश के सभी जनजातीय बाहुल्य राज्य लाभान्वित हो रहे हैं।

अटल ने स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 2001-2002 में सर्वशिक्षा अभियान शुरू किया। इसकी बदौलत देश के हर आय वर्ग के बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा की राह आसान हुई। अटलने विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को देश की विकास यात्रा से जोड़ने के लिए प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम शुरू किया। अटल के कार्यकाल में भारत ने करगिल युद्ध में न सिर्फ विजय प्राप्त की बल्कि आतंकवाद पोषक पाकिस्तान के दांत खट्टे करते हुए उसे अंतर्राष्ट्रीय जगत में अलग-थलग करने का काम किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के आचरण और उसकी प्राथमिकता तथा हमारी सरकार के नीतिगत निर्णयों में श्रद्धेय अटल के चिंतन की स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है। अटल की जिस प्रेरणा और दर्शन को आत्मसात कर हम आगे बढ़ रहे हैं, इससे भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों पर जनता का भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। अटल ने छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर जो स्वप्न देखा था उसे जनता के आशीर्वाद से डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में पंद्रह वर्ष तक भाजपा सरकार ने साकार रूप देने का कार्य किया, विकास की उसी अटल दृष्टि के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व एवं विष्णु देव साय की अगुआई वाली वर्तमान भाजपा सरकार अंत्योदय के अनुष्ठान में जुटी है.

छत्तीसगढ़ में हमारी डबल इंजन की सरकार के लिए पहले दिन से ही गरीब, किसान, महिला, युवा, जनजातीय समाज का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता में रहा है। हमारी सरकार ने गठन के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर मोदी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति का निर्णय लिया। आज प्रदेश में 26 लाख पीएम आवास निर्माण की प्रक्रिया शुरू है। कांग्रेस की पिछली सरकार ने किसानों के साथ जिस तरह छल किया, उससे वह अन्नदाता की नजरों से हमेशा के लिए उतर गई है। हमारी सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन, सुशासन दिवस 25 दिसंबर 2023 को राज्य के 12 लाख किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। पिछले तीन खरीफ सीजन से हमारी सरकार किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी के कीर्तिमान रच रही है।

छत्तीसगढ़ देश की इकोनॉमी का इंजन है। बावजूद इसके नक्सलवाद ने हमारी विकास यात्रा को काफी बाधित किया था। अब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प तथा जवानों के अदम्य साहस से माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के करीब है। नक्सलवाद के उन्नमूलन में नियद नेल्ला नार समेत डबल इंजन सरकार की सुशासनकारी योजनाएं वरदान बनी हैं।

श्रद्धेय अटल ने हमेशा शासन में पारदर्शिता एवं दक्षता को प्राथमिकता दी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों की सुशासन पहल को प्रभावी रूप दिया जा रहा है। जनता के हित के लिए बनने वाली योजनाओं का लाभ उसके वास्तवीक हितग्राहियों को मिले इसके लिए हमारी सरकार ने अटल मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। इसके जरिए राज्य में योजनाओं की निगरानी की जाती है। इसी तरह ई-ऑफिस, सिंगल विंडो सिस्टम-2.0, सुगम एवं संगवारी एप सुशासन के अटल मंत्र को साकार रहे हैं। बदलती जीवनशैली के साथ सूचना एवं प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं ने जीवन को सुगमता प्रदान करने के साथ शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने का भी काम किया है। कांग्रेस की सरकार ने जहां कोयले के परिवहन में परमिट की व्यवस्था को ऑफलाइन कर दिया था वहीं हमारी सरकार ने इसे ऑनलाइन कर भ्रष्टाचार पर रोक लगाई है। पीएससी जैसी परीक्षा को कांग्रेस सरकार ने दागदार कर युवाओं के सपनों का कत्ल किया लेकिन हमारी सरकार ने इसकी पारदर्शिता और प्रमाणिकता को बढ़ाया है। युवाओं की सुविधा के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर भी जारी किया जाता है। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने इस वर्ष अटल की जयंती पर अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। ऐसे में यह सुशासन दिवस नये संकल्पों के साथ प्रदेश और देश की तरक्की को गति देने का है। हम विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ को गढ़ने जुटे हैं।

जेलों में निरूद्ध नौनिहालों का भविष्य क्या...?

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत में जेलों में पल रहे नौनिहालों का भविष्य वाकई में गंभीर संकटों से घिरा हुआ है। ऐसे बच्चों के जीवन और व्यक्तित्व के विकास की संभावना जेल की दीवारों के भीतर लगभग अवरुद्ध हो जाती है, जिससे उनका बचपन अंधकारमय हो जाता है। छत्तीसगढ़ जब मध्य प्रदेश के अंतर्गत आता था तब मैंने भी बंदी कल्याणारार्थ किरण परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर जेल में कई वर्ष कार्य किया था। जिसके तहत बंदी कल्याण के सभी कार्यों को करने की जिम्मेदारी थी। चाहे वह कानूनी हो पुनर्वास और शिक्षा हो या अन्य मानवीय समस्याओं का समाधान हो। यह बहुत ही अच्छी और सुदृढ़ परियोजना थी। जिसकी पहल तत्कालीन संभाग आयुक्त उपाध्याय जी द्वारा शुरू की गई थी। इस परियोजना के परिणाम भी बहुत अच्छे आ रहे थे लेकिन दुर्भाग्य छत्तीसगढ़ राज्य बनने के पश्चात इस परियोजना को बंद कर दिया गया।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर कई हजार बच्चे अपनी माताओं के साथ विभिन्न जेलों में रहते हैं। इनमें से बहुसंख्यक उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसी राज्यों में हैं। ऐसे बच्चों को स्वाभाविक बालपन, उचित शिक्षा और सामाजिक अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। जेल का वातावरण उनके मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करता है।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की भीड़ है, जिसके कारण संसाधन और सुविधाएं पहले से ही सीमित होती हैं। बच्चों को पर्याप्त स्वास्थ्य, पोषण और खेलकूद की सुविधा नहीं मिल पाती। स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षिक वातावरण और बच्चों के लिए सकारात्मक सामाजिक माहौल की भारी कमी है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल और सामाजिक समझ कमजोर पड़ती है ऐसे बच्चे, किशोर किशोरिया जिन्हें बाहरी अभिभावक परिवार या समाज का सहारा नहीं मिलता है वह अतिरिक्त मानसिक दबाव व असुरक्षा के साथ बड़े होते हैं।

सरकार और प्रशासन को चाहिए कि ऐसे निरूद्ध बच्चों के लिए जेल परिसर से बाहर सुरक्षित आश्रय, शिक्षा, मानसिक परामर्श, स्वास्थ्य और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं कानूनों में संशोधन करके ऐसे मामलों में बच्चों को प्राथमिकता दी जाए और वह जेल के बजाय संस्थागत देखभाल या परिवार के संरक्षण में रह सके, साथ ही महिलाओं के लिए खुली जेल या ट्रांजिट होम जैसी व्यवस्थाएं मिल सके, जहां माँ और बच्चे मानवीय गरिमा के साथ गुजारा कर सकें।

सरकार और जेल प्रशासन को बाल अधिकारों की रक्षा और बच्चों के कल्याण के लिए एकरूपता के साथ नीति लागू करने की आवश्यकता है ताकि हर बच्चे को समान अवसर मिल सके। जेल में निरूद्ध बंदियों के बच्चों का भविष्य संवारने और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने में जेल प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जेल का माहौल बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल बनाना, सामाजिक कलंक और बहिष्कार से बचाना, तथा पारिवारिक माहौल की कमी को दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जेल प्रशासन को बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना होगा और शिक्षा, सुरक्षा और संपूर्ण विकास के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिससे जेल में रहते हुए भी इन बच्चों का भविष्य जेल प्रशासन को बच्चों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा और संरक्षण के लिए विशेष प्रबंध करने चाहिए, जिससे वे समाज की मुख्यधारा से कट न जाएं और उनका बचपन जेल की सलाखों में कैद न हो।

कई जेलों में बाल संरक्षण नीति के तहत आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य, खेल और शिक्षा की सुविधाएं शुरू की गई हैं, परन्तु ये पूरे देश में एकसमान लागू नहीं हैं? जेल का माहौल बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल बनाना, सामाजिक कलंक और बहिष्कार से बचाना, तथा पारिवारिक माहौल की कमी को दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जेल प्रशासन को बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना होगा और शिक्षा, सुरक्षा और संपूर्ण विकास के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिससे जेल प्रशासन की देखरेख में रहते हुए भी इन बच्चों का भविष्य संवर सके और वे बड़े होकर देश के एक जिम्मेदारी नागरिक की भूमिका निभा सके।

बचपन की नींव पर ही जीवन का भवन टिका होता है; जेलों में पलते बच्चों का वह स्वप्निल भविष्य वर्तमान व्यवस्था की सीमाओं में कैद हो जाता है। इसलिए ऐसे नौनिहालों के लिए विशेष और संवेदनशील नीतियों और व्यवस्थाओं की तत्काल आवश्यकता है, ताकि उनका भविष्य फिर से रोशन हो सके। जेल में निरूद्ध बंदियों के बच्चों का भविष्य संवारने और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने में जेल प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। **यह निजी विचार है।**

उज्ज्वला योजना से देश भर में स्वच्छ रसोई ईंधन की सुविधा जारी

राष्ट्रव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान के माध्यम से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया

डिजिटल भुगतान, ई वी चार्जिंग और बहु-ईंधन ऊर्जा स्टेशनों के साथ ईंधन खुदरा अवसंरचना को सुदृढ़ किया गया

अपना घर पहल ट्रक चालकों के लिए सुविधाओं और सड़क सुरक्षा को मजबूत करती है

25,400 किमी से अधिक का गैस पाइपलाइन नेटवर्क एक राष्ट्र-एक गैस ग्रिड को गति प्रदान कर रहा है

पीआईबी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तेल और प्राकृतिक गैस की खोज एवं उत्पादन, शोधन, वितरण एवं विपणन, साथ ही इनके आयात, निर्यात एवं संरक्षण के लिए उत्तरदायी है। तेल और गैस भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण स्रोत बने हुए हैं। मंत्रालय ने वर्ष 2025 के दौरान, सस्ती ऊर्जा उपलब्धता सुनिश्चित करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया। ये पहलें ऊर्जा उपलब्धता, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं।

स्वच्छ रसोई ईंधन की सार्वभौमिक उपलब्धता सुनिश्चित करना एक प्रमुख प्राथमिकता बनी रही। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत, 1 दिसंबर 2025 तक लाभार्थियों की संख्या लगभग 10.35 करोड़ तक पहुंच गई। लंबित आवेदनों का निपटारा करने और एलपीजी की उपलब्धता को अधिकतम करने के लिए, सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 25 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी करने की मंजूरी दी । पात्रता प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए, पहले की मल्टी प्वांइट स्व-घोषणा प्रणाली के स्थान पर एकल अभाव घोषणा पत्र लागू किया गया, जिससे ईंधन की उपलब्धता तेज और अधिक समावेशी हो गई। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) लाभार्थियों के लिए 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये की लक्षित सब्सिडी के माध्यम से एलपीजी की सामर्थ्य को बढ़ावा दिया गया। इसमें प्रति वर्ष नौ बार रिफिल करने की सुविधा है। इस पहल के परिणामस्वरूप एलपीजी की खपत में लगातार वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति औसत खपत वर्ष 2019-20 में लगभग तीन रिफिल से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.47 रिफिल हो गई और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आनुपातिक स्तर पर लगभग 4.85 रिफिल प्रति वर्ष तक पहुंच गई, जो स्वच्छ रसोई ईंधन को निरंतर अपनाने का संकेत है। सब्सिडी के लक्षित वितरण और पारदर्शिता में सुधार के लिए, बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण को गति दी गई। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण ने 1 दिसंबर 2025 तक 71 प्रतिशत पीएमयूवाई उपभोक्ताओं और 62 प्रतिशत गैर-पीएमयूवाई उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई। उपभोक्ताओं को सरल मोबाइल-आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से निःशुल्क प्रमाणीकरण पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए नवंबर 2025 में एक विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरूआत की गई थी।

देशव्यापी बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान से उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूत किया गया। ग्राहकों के परिसरों में 12.12 करोड़ से अधिक निःशुल्क सुरक्षा निरीक्षण किए गए और 4.65 करोड़ से अधिक एलपीजी पाइप रियायती दरों पर बदले गए, जिससे घरेलू एलपीजी उपयोग की जागरूकता बढ़ी और सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मंत्रालय ने पेट्रोलियम के विपणन की अवसंरचना को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। 2.71 लाख से अधिक प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) टर्मिनलों का समर्थन प्राप्त 90,000 से अधिक खुदरा दुकानों को डिजिटल भुगतान सुविधाओं से लैस किया गया। 3,200 से अधिक टैंकरों की स्थापना के माध्यम से घर-घर डिलीवरी सेवाओं का विस्तार किया गया, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच में सुधार हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत, लगभग सभी खुदरा दुकानों पर शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की गई, जिनमें से बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध कराए गए। इस वर्ष इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अवसंरचना में तेजी से विस्तार हुआ। एफएएमई-द्वितीय योजना के तहत, खुदरा दुकानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 8,932 चार्जिंग स्टेशन बनाए गए, जबकि तेल विपणन कंपनियों ने अपने संसाधनों से 18,500 से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए।

छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज का जिला स्तरीय वार्षिक सामाजिक अधिवेशन खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने समाज की एकता व उत्थान पर दिया जोर

राजनांदगांव।

विकासखण्ड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम कोटरा (बांधाबाजार), जिला मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी में 25 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज का जिला स्तरीय वार्षिक सामाजिक अधिवेशन गरिमामय वातावरण में आयोजित होकर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अधिवेशन के समापन कार्यक्रम में खुज्जी विधायक माननीय श्री भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवी-देवताओं के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने समाज एवं क्षेत्रवासियों के लिए सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज द्वारा आयोजित इस जिला स्तरीय अधिवेशन को सामाजिक एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का सशक्त मंच बताते हुए सफल आयोजन के लिए समाज को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही, अतिथियों के आत्मीय स्वागत एवं बेहतर व्यवस्थाओं के लिए आयोजक समिति के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति के लिए शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और परंपरागत कारीगरी को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे आने और समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। साथ ही, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

अधिवेशन के दौरान समाज के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, शिक्षा के प्रति जागरूकता, महिला सशक्तिकरण तथा पारंपरिक शिल्प-कला के संरक्षण एवं विपणन पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी समन्वय बढ़ता है और भावी पीढ़ी को अपनी संस्कृति व परंपराओं से जोड़ने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री झरनेश कुंभकार (जिलाध्यक्ष कुंभकार समाज), श्री नंदकुमार चक्रधारी (प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कुंभकार समाज), श्री हेमलाल कौशिक (प्रदेश महामंत्री), श्री अनिल मानिकपुरी (अध्यक्ष, नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी), श्री मुकेश सिन्हा (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंबागढ़ चौकी), श्रीमती खेदीबाई अमिला (पार्षद, अंबागढ़ चौकी), श्रीमती गोपीचंदा (पार्षद), श्री उदेराम साहू (अध्यक्ष, किसान कांग्रेस), श्री राजू देवांगन (समाजसेवी), श्री दशरथ कुंभकार (प्रदेश उपाध्यक्ष), श्री जयराम कुंभकार (प्रांतीय महामंत्री), श्री द्वारिका प्रसाद पाड़े (सदस्य) सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, सदस्यगण एवं आसपास के ग्रामीणजन उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा समाज के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, सामाजिक समरसता और सतत विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने हेतु अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का नया मानक जारी किया

पीआईबी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का भारतीय मानक आईएस 19412:2025 - अगरबत्ती - विनिर्देशन जारी किया। यह मानक राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में जारी किया गया। नए अधिसूचित मानक में अगरबत्तियों में कुछ कीटनाशक रसायनों और कृत्रिम सुगंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है , जो मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए, आईएस 19412:2025 में अगरबत्तियों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची दी गई है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन , साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलामाइन जैसे कृत्रिम सुगंधित पदार्थ शामिल हैं। इनमें से कई पदार्थ मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं।

उपभोक्ता सुरक्षा, घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता, पर्यावरणीय स्थिरता और नियामक अनुपालन साथ ही वैश्विक स्तर पर कुछ सुगंधित यौगिकों और रसायनों पर लगे प्रतिबंधों को देखते हुए– अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

यह मानक अगरबत्ती को मशीन से बनी, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्तियों में वर्गीकृत करता है, और कच्चे माल, जलने की गुणवत्ता, सुगंध प्रदर्शन और रासायनिक मापदंडों के लिए आवश्यकताएं निर्धारित करता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित उत्पाद और एकसमान गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

इस मानक के अनुरूप उत्पाद बीआईएस मानक चिह्न प्राप्त करने के पात्र होंगे , जिससे उपभोक्ता सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। आईएस 19412:2025 की अधिसूचना से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ने, नैतिक और टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने, पारंपरिक आजीविका की रक्षा होने और भारतीय अगरबत्ती उत्पादों की वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ने की उम्मीद है। यह मानक बीआईएस की सुगंध एवं स्वाद अनुभागीय समिति (पीसीडी 18) द्वारा हितधारक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है।

सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी), सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर), सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफ टीआर), कन्नौज स्थित सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी) और अखिल भारतीय अगरबत्ती निर्माता संघ जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने इस मानक को तैयार करने में योगदान दिया है।

नगरीय निकायों में 'प्रतिनिधि' प्रथा पर रोक, महिला पार्षदों के रिश्तेदार नहीं निभा सकेंगे भूमिका

रायपुर (संवाददाता)।

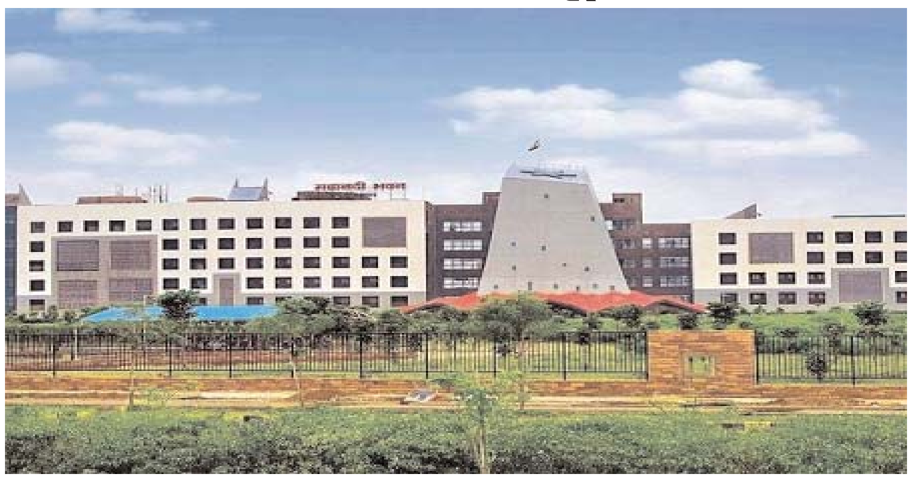

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में अब चुनी हुई महिला पार्षदों के रिश्तेदार, नातेदार या उनके कथित प्रतिनिधि किसी भी रूप में कार्य नहीं कर सकेंगे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संज्ञान और नोटिस के बाद राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में सख्त आदेश जारी किया है।

दरअसल, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को मिली शिकायतों में यह आरोप लगाया गया था कि सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के पति या करीबी रिश्तेदारों को अनौपचारिक रूप से संपर्क व्यक्ति या प्रतिनिधि बनाकर नगरीय निकायों के कामकाज में दखल दिया जा रहा है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान में निहित विकेंद्रीकरण की भावना के खिलाफ बताया गया था। इस मुद्दे को हरिभूमि ने भी प्रमुखता से उठाया था।

आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत मामले का संज्ञान लेते हुए छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों को नोटिस जारी किया था। आयोग ने इसे महिलाओं के सम्मान, समानता और स्वशासन के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय माना। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद अब नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगर निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि कुछ नगरीय निकायों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक रिश्तेदारों को प्रॉक्सी प्रतिनिधि या लायजन पर्सन के रूप में कार्यरत पाया गया है, जो संविधान के अनुच्छेद 15(3) और 21 का उल्लंघन है।

ग्राम खुर्सीपार में संत शिरोमणी गुरु घासीदास जयंती एवं सम्मान समारोह मे खुज्जी विधायक भोलाराम साहू शामिल

राजनांदगांव ।

दिनांक 25 दिसंबर 2025 को विकासखंड छुरिया के ग्राम खुर्सीपार में संत शिरोमणी गुरु घासीदास जयंती एवं सम्मान समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर खुज्जी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय भोलाराम साहू जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई। मुख्य अतिथि श्री साहू ने अपने उद्बोधन में गुरु घासीदास बाबा के अमर संदेश ÷मनखे-मनखे एक समान÷ को सामाजिक समानता, भाईचारे और मानवता की सुदृढ़ नींव बताया। उन्होंने कहा कि गुरु घासीदास बाबा का जीवन सत्य, अहिंसा और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है, जिसे आज के समाज में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके पश्चात पंथी नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से गुरु घासीदास बाबा के जीवन दर्शन का स्मरण किया गया। समारोह के दौरान समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया।

इस अवसर पर श्री नवाज खान (पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, राजनांदगांव), श्रीमती राजकुमारी सिन्हा (पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत छुरिया), श्री अब्दुल खान (अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमरदा), राजू सिन्हा (कार्यकारिणी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष छुरिया), राधेलाल जोशी (अध्यक्ष ब्लॉक सतनामी समाज), श्रीमती भेषबाई साहू (जनपद सदस्य), महेश यदु (सरपंच), विशाल बघेल (समाजसेवी), तुकाराम श्याम (पूर्व सरपंच), रमेश श्याम (अध्यक्ष ग्राम समिति), सवल जोशी (उपसरपंच) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवक, मातृशक्ति, सामाजिकजन एवं ग्रामवासी शामिल हुए और आयोजन को सफल बनाया।

सीएसआईआर प्रयोगशालाएं नवाचार और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ा रही हैं : डॉ. जितेंद्र

पीआईबी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज भारत की औद्योगिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में तेजी लाने पर जोर दिया।

डॉ. सिंह ने तिरुपति में आयोजित एक बैठक में चेन्नई और हैदराबाद स्थित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की वैज्ञानिक उपलब्धियों और प्रौद्योगिकीय योगदान की समीक्षा करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए मजबूत उद्योग साझेदारी और प्रयोगशाला अनुसंधान को सामाजिक और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों में तेजी से परिवर्तित करना महत्वपूर्ण है।

समीक्षा बैठक में प्रयोगशालाओं की हाल की उपलब्धियों का आकलन करने और भारत सरकार द्वारा देश के वैज्ञानिक और नवाचार इको-सिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए दिए जा रहे निरंतर प्रोत्साहन के संदर्भ में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ उनके तालमेल का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के निदेशकों ने अपनी प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया और प्रभावशाली अनुसंधान, नवाचार और उद्योग सहयोग के लिए भविष्य के तरीकों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं के निदेशकों - सीएसआईआर-केंद्रीय विद्युतरासायनिक अनुसंधान संस्थान (सीईसीआरआई), कराईकुडी; सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद; सीएसआईआर-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), चेन्नई; सीएसआईआर-संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुसंधान केंद्र (एसईआरसी), चेन्नई; सीएसआईआर-कोशिकीय और आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हैदराबाद और सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), हैदराबाद ने बैठक में भाग लिया और अपनी प्रमुख उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया।

डॉ. सिंह को सामूहिक रूप से जानकारी देते हुए, सीएसआईआर-सीईसीआरआई के निदेशक डॉ. के. रामेशा ने इलेक्ट्रोकेमिकल प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा भंडारण और स्वच्छ ऊर्जा में सीएसआईआर-सीईसीआरआई के कार्यों को रेखांकित किया, जिसमें सोडियम-आयन बैटरी, प्रयुक्त बैटरियों से धातु पुनर्प्राप्ति, हरित हाइड्रोजन उत्पादन और कार्बन-डाईऑक्साइड कैप्चर में स्वदेशी प्रयास शामिल हैं। सीएसआईआर-एनजीआरआई के निदेशक डॉ. प्रकाश ने लद्दाख में भूभौतिकीय अंतर्दृष्टि प्रदान करने, भूतापीय ऊर्जा अन्वेषण, महत्वपूर्ण खनिजों के मानचित्रण और भारतीय प्लेट के तनाव मानचित्र के विकास के साथ-साथ हिमालयी भू-खतरों पर मिशन-मोड कार्यक्रमों और एसएलबीसी सुरंग परियोजना के लिए हेलीकॉप्टर सर्वेक्षणों के लिए सीएसआईआर-एनजीआरआई की पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा अवैध कटाई, अतिक्रमण और अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण : संभाग आयुक्त श्री सुनील कुमार जैन ने राजनैतिक दलों की ली बैठक

विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जांजगीर-चांपा / भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (अर्हता तिथि 01.01.2026) का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा संभाग आयुक्त, बिलासपुर श्री सुनील कुमार जैन को जिला जांजगीर-चांपा हेतु रोल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। आज संभाग आयुक्त ने जिले के तीनों विधानसभा के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। साथ कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति एवं संबंधित विषयों पर राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जांजगीर-चांपा श्री जन्मेजय महोबे, उप जिला निवार्चन अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री शिशिर द्विवेदी, श्री हितेश यादव, श्री शाहिद खान, श्री हेमंत कुमार यादव, श्री ललित बघेल, श्री अभिषेक मिश्रा, श्री प्रदीप सराफ श्री जगमोहन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक संभागायुक्त श्री जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार छत्तीसगढ राज्य में अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में चलाये जा रहे निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसके तहत् 23 दिसम्बर 2025 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन जिले के समस्त मतदान केन्द्रों के साथ-साथ ईआरओं तथा एईआरओं कार्यालय में कर दिया गया है। 22 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही तथा प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक की जा रही है। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

प्ररूप प्रकाशन की यह सूची ईआरओं/एईआरओं कार्यालय के सूचना-पटल एवं एक फ ोटो रहित सॉफ्टकापी की इमेज पीडीएफ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के वेबसाईट बमवबींजजपेहंतीण्दपबण्पद पर भी आम-जन हेतु प्रदर्शित की गई है। उन्होंने मतदाता सूची के अद्यतन, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र नामों के विलोपन तथा पुनरीक्षण कार्य की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी दी तथा सभी मतदान केन्द्रों में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा।

मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

संभाग आयुक्त श्री सुनील कुमार जैन ने विधानसभा अकलतरा अंतर्गत शासकीय जनपद प्राथमिक शाला अमरताल, विधानसभा जांजगीर-चांपा के शासकीय प्राथमिक शाला हटवारा पारा खोखरा तथा पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला मुड़पार (ब) के मतदान केन्द्र निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त ने संबंधित मतदान केन्द्रों के बीएलओ से कुल मतदाताओं की संख्या, मृत मतदाताओं, स्थानांतरित तथा अनुपस्थित मतदाताओं की जानकारी विस्तार से ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित मतदाताओं से सीधे संवाद कर मतदाता सूची का भौतिक मिलान किया तथा सूची की शुद्धता और अद्यतन स्थिति की जांच की।

संभाग आयुक्त ने बीएलओ को निर्देशित किया कि सभी मतदान केन्द्रों में अद्यतन मतदाता सूची अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने नए मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु फार्म-6, मौजूदा निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने या हटाने के प्रस्ताव से संबंधित फार्म-7, निवास परिवर्तन, प्रविष्टि में सुधार एवं एपिक (मतदाता परिचय पत्र) में संशोधन से संबंधित फार्म-8 के आवेदन की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने दावा-आपत्ति प्रक्रिया एवं विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

घरेलू हिंसा शिकायत के मामले में आरक्षक निलंबित

जांजगीर चांपा

घरेलू हिंसा के शिकायत में आरक्षक को एसपी ने निलंबित कर दिया है । मामले में प्राप्त जानकारी अनुसार डण्डेश्वर बंजारे जो वर्तमान में रक्षित केन्द्र जांजगीर में पदस्थ है, जिसके पत्नी द्वारा द्वारा उक्त आरक्षक के विरुद्ध घरेलू हिंसा, पत्नी रहते हुए भी दूसरी शादी करने संबंधी शिकायत पुलिस अधीक्षक से किया गया था । मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय जांजगीर -चाम्पा द्वारा तत्काल आरक्षक को प्रभाव से निलंबन किया गया है। प्रकरण की जांच हेतु महिला डीएसपी को दिया गया है। जांच होते तक आरक्षक निलंबित रहेगा।

जिले के सभी ग्रामों में विशेष ग्रामसभा का सफल आयोजन

वीबीजी राम जी योजना व विकसित भारत 2047 के विजन पर हुआ विस्तार से चर्चा

जांजगीर-चांपा / पंचायत संचालनालय छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार तथा पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार की नवीन योजना ÷विकसित भारत देश रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) - वीबीजी राम जी के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता हेतु जिले के सभी ग्रामों में आज कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में विशेष ग्रामसभा का सफ्लतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष ग्रामसभा में ग्राम स्तर पर व्यापक सहभागिता देखने को मिली, जिसमें ग्रामीणजन, श्रमिक, महिलाएं, अनुसूचित जाति-जनजाति परिवार एवं अन्य कमजोर वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रामसभाओं के दौरान वीबीजी राम जी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, इसकी प्रमुख विशेषताओं तथा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों को योजना से जुड़ी जानकारी देने के साथ-साथ अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं की मुद्रित प्रतियां भी वितरित की गईं। जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य विषयों को भी ग्रामसभा के एजेंडे में शामिल किया गया।

आयोजन में संबंधित विभागों के विकासखंड स्तर के मैदानी एवं क्षेत्रीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और ग्रामीणों को योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की।

जिला समन्वयक एवं संकाय सदस्य के संविदा पद पर भर्ती हेतु आवेदन अब 15 जनवरी 2026 तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा /पंचायत संचालनालय अंतर्गत Revamped राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत जिले में रिक्त संविदा पदों जिला समन्वयक एवं संकाय सदस्य, जिला पंचायत संसाधन केन्द्र पर भर्ती हेतु 29 दिसम्बर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसमें तिथि को संशोधित करते हुए आवेदन अब 15 जनवरी 2026 तक सायं 05.30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। अभ्यर्थी निर्धारित समय तक आवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जांजगीर-चांपा (छ.ग.) पिन 495668 के नाम से पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन केवल डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत दिशा-निर्देश जिले की वेबसाइट httpsÑ//janjgir-champa.gov.in तथा जिला पंचायत जांजगीर-चांपा के सूचना पटल से प्राप्त किए जा सकते हैं।

एसपी विजय कुमार पाण्डेय का अनुकरणीय पहल

नव वर्ष में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ रक्तदान शिविर से

जांजगीर चांपा / एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने अनुकरणीय पहल करते हुए नए वर्ष में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ रक्तदान शिविर से किया जायेगा। इसमें जिले के सभी समाज के संगठनों के सदस्यों को रक्तदान शिविर एवं सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा । जिले के पुलिस जवान स्वयं रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदान करेंगे। उक्त हेतु कार्यक्रम स्थल पर पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। ज्ञात हो कि पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष पुलिस द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ रक्तदान शिविर के आयोजन के साथ दिनांक 1 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे जांजगीर कचहरी चौक के सी मार्ट परिसर में किया जायेगा।

जिले में इसकी शुरुवात ÷रक्तदान करें किंतु सड़कों पर नहीं ÷ थीम के साथ की जाएगी। अर्थात व्यक्ति को अपना रक्त सड़क दुर्घटनाओं में व्यर्थ न गवांकर उसका सदुपयोग विपत्ति में, संकट में ग्रस्त व्यक्तियों की मदद करने में करना चाहिए।

इस अवसर पर जांजगीर पुलिस अपील करती हैं कि पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिक सभी बढ़- चढ़कर भाग ले और स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करे।

सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य -

यातायात जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए नागरिकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन करने तथा मोबाइल फोन का उपयोग वाहन चलाते समय न करने, साथ ही, नाबालिगों को वाहन न देने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

विधायक ब्यास कश्यप ने किया सी.सी. रोड का भूमिपूजन

जांजगीर चांपा /

विधायक ब्यास कश्यप ने नवागढ़ विकासखंड के ग्राम मुनुंद एवं कर्रा में क्रमशः 7 लाख एवं 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सी.सी.रोड का भूमि पूजन किया। इस सी.सी.रोड निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति विधायक निधि से प्रदान की गई है। इस अवसर पर विधायक ब्यास कश्यप ने उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम का विकास हमारी प्राथमिकता है। जांजगीर-चांपा विधानसभा के कई ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं जहां आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव हैं। सड़क, बिजली, पानी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए आज भी लोग संघर्षरत हैं। पक्की सड़क के निर्माण हो जाने से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा होगी। सड़कों के साथ ही पानी की निकासी के लिए गांवों में नालियों का निर्माण कराया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने गांव के सरपंचों से इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व सदस्य दिनेश शर्मा, जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोतीलाल पटेल, सरपंच द्वय अनिता भागीरथी कश्यप, प्रहलाद दिनकर, उप सरपंच नंदकुमार कश्यप, रेखा राकेश कश्यप, पूर्णिमा राजू राठौर, नीरा गोविंद यादव, अनीशा बसंत, अंजना पद्माकर कश्यप, भरत कश्यप, मुकेश साहू, गोकुल कश्यप, अर्जुन कश्यप, हर्ष मिश्रा, घिसल कश्यप, भागवत कश्यप, प्रेमकुमार कश्यप, आशीष कश्यप, उमेंदराम यादव, अश्वनी कश्यप, ओंकार पाण्डेय सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। सी.सी.रोड निर्माण के लिए ग्रामीणजनों ने हर्ष प्रकट करते हुए विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राजनांदगांव। आज राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित कर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पप्पू चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य देवकुमारी साहू, जिला पंचायत सदस्य शीला सिन्हा, मंडल महामंत्री रमेश चंद्राकर, जनपद सदस्य साकेत वैष्णव सहित अनेक भाजपा कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

दो वर्षों में 28,720 विद्युत उपकेंद्र, 34,239 किलोमीटर लाइनें स्थापित

अधिकतम मांग भी 1,605 मेगावाट बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के द्वारा विगत 2 वर्षों में विद्युत अधोसंरचना विस्तार की दिशा में अति महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है जिसके तहत अति उच्चदाब के 5 उपकेंद्र तथा निम्नदाब के 28,715 उपकेंद्रों की स्थापना की गई। अति उच्चदाब की 782 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें स्थापित की गई। वहीं निम्नदाब की 33,457 सर्किट किलोमीटर वितरण लाइनें स्थापित की गई। विगत 2 वर्षों में प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या 2,94,318 बढ़ी, वहीं विद्युतीकृत पंपों की संख्या में 3,04,786 का इजाफा हुआ। मुख्यमंत्री तथा ऊर्जा मंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना के विस्तार के कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए थे जिसके कारण प्रदेश में विगत 2 वर्षों में पारेषण उपकेंद्र, वितरण उपकेंद्र, लाइनों तथा संबंधित तंत्र के विकास का काम तेजी से पूर्ण किया गया। अति उच्चदाब विद्युत अधोसंरचना के तहत 400 केवी क्षमता का 5वां उपकेंद्र धरदेही जिला मुंगेली में पूर्ण किया गया। 400 केवी उपकेंद्र की क्षमता 3,150 एमवीए से बढ़कर 4,410 एमवीए, लाइन की लंबाई 1,918 से बढ़कर 1,938 सर्किट किलोमीटर, 220 केवी उपकेंद्रों की संख्या 26 नग से बढ़कर 27 नग एवं इनकी क्षमता 10,160 एमवीए से बढ़कर 11,280 एमवीए, लाइन की लंबाई 4,085 सर्किट किलोमीटर से बढ़कर 4,383 सर्किट किलोमीटर हो गई। इसी तरह 132 केवी उपकेंद्र की संख्या 102 नग से बढ़कर 105 नग, क्षमता 10,917 एमवीए से बढ़कर 12,130 एमवीए, लाइन की लंबाई 7,931 सर्किट किलोमीटर से बढ़कर 8,395 सर्किट किलोमीटर हो गई। विद्युत वितरण के क्षेत्र में भी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 33 केवी उपकेंद्रों की संख्या 1,352 नग से बढ़कर 1,474, क्षमता 9,075 एमवीए से बढ़कर 10,295 एमवीए, 11 केवी उपकेंद्र की संख्या 2,23,131 नग से बढ़कर 2,51,724 नग, उपकेंद्र की क्षमता 12,507 एमवीए से बढ़कर 14,595 एमवीए हो गई। इसी के साथ उपभोक्ताओं की संख्या (निम्नदाब) 62,37,336 से बढ़कर 65,31,180 एवं (उच्चदाब) की संख्या 3,719 से बढ़कर 4,193 हो गई। विद्युतीकृत पंपों की संख्या 5,35,206 से बढ़कर 8,39,992 हो गई।

जावलपुर बलौदा में रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला का हुआ आयोजन

आजीविका गतिविधियों से सशक्त हो रहीं महिलाएं, आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर - कलेक्टर महोबे

ऋण मेले में लगभग 15 करोड़ 48 लाख रुपए से अधिक की ऋण राशि स्वीकृत

रोजगार मेला में विभिन्न पदों पर 10 युवाओं का हुआ चयन

7 जनवरी को सद्भावना भवन पामगढ़ में आयोजित होगा रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला

जांजगीर-चांपा /

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देश के परिपालन में जिले में आजीविका सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में आजीविका ऋण मेला एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज जनपद पंचायत बलौदा के समरसत्ता भवन जावलपुर में रोजगार एवं आजीविका ऋण मेला का आयोजन किया गया। आजीविका ऋण मेला में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 408 ऋण प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान की गई, जिनके माध्यम से 15 करोड़ 48 लाख रुपये की ऋण राशि स्वीकृत की गई है। इस दौरान विभिन्न विभाग अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सामग्री वितरित की गई।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने संबोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता न केवल स्वयं की आजीविका का साधन बनती है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करती है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपना व्यवसाय प्रारंभ करें तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लें। उन्होंने यह भी कहा कि बिहान योजना से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर हो रहीं है। महिलाएं आजीविका ऋण का उपयोग कर अपने उद्यम को आगे बढ़ाएं और निरंतर प्रगति करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने कहा कि जिले में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के लिए शीघ्र ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम बनते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि जो महिलाएं पहले से किसी व्यवसाय से जुड़ी हैं, वे भी आजीविका ऋण का उपयोग कर अपने कार्य को और विस्तारित कर सकती हैं।

इस अवसर पर प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत समाधान शिविर, पीएम सूर्यघर मुफ्त बीजली योजना, रोजगार मेला एवं आजीविका ऋण स्टॉल लगाया गया था। शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वरोजगार, रोजगार एवं आवास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे जिले के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर मिल रहे हैं।

इसके साथ ही जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा विभिन्न पदो पर भर्ती की कार्यवाही भी की जा रही है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मेला में रोजगार मेला में विभिन्न पदों के लिए कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 10 आवेदकों का चयन विभिन्न पदों पर किया गया है। जिसमें स्किल कुल बालको कोरबा में इलेक्ट्रीशियन के 03, वेल्डर के 03 फीटर के 02 व होटल मैनेजमेंट 02 के पदों चयन किया गया है। सभी चयनित युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष बलौदा श्रीमती शारदा सनत देवांगन, जनपद सीईओ बलौदा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थे।

07 जनवरी को जनपद पंचायत पामगढ़ में होगा लोन मेला एवं रोजगार मेला

इसी क्रम में 07 जनवरी 2026 को जनपद पंचायत पामगढ़ के सद्भावना भवन, पामगढ़ में 16 जनवरी 2026 को जनपद पंचायत बम्हनीडीह के शासकीय हाई स्कूल भवन, ग्राम पंचायत कपिस्दा, बम्हनीडीह में एवं 28 जनवरी 2026 जनपद पंचायत नवागढ़ को स्कूल संगठन भवन, ग्राम पंचायत खैरताल (जी.एल.डी.), स्कूल केरा रोड, नवागढ़ में रोजगार मेला एवं आजीविका ऋण मेला आयोजन किया जाएगा।

खास खबर

हसदेव बराज पुल से दोपहिया/चारपहिया वाहनों के आवागमन पर 06 माह का अस्थायी प्रतिबंध

0 वाहनों के आवागमन के लिए **वैकल्पिक मार्ग निर्धारित**

कोरबा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कुणाल दुदावत ने छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हसदेव बराज के गेटों के सुधार, मरम्मत एवं पेंटिंग कार्य हेतु हसदेव बराज पुल से दोपहिया और चारपहिया वाहनों के आवागमन पर छह माह की अवधि के लिए प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध अवधि के दौरान वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जिसमें कटघोरा, जमनीपाली और दर्री की ओर से आने वाले वाहन नवीन निर्मित पुल के माध्यम से कोरबा तथा रूमगरा की दिशा में आवागमन करेंगे। इसी प्रकार कोरबा और रूमगरा से दर्री तथा जमनीपाली की ओर जाने वाले वाहन भवानी मंदिर के पास स्थित नवीन निर्मित पुल की ओर से आवागमन करेंगे।

26 को मनाया वीर बाल दिवस

कोरबा। भारत सरकार द्वारा 26 दिसम्बर को दसवें सिक्ख गुरु गोविन्द सिंह के पुत्रों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फ्तेह सिंह के शहादत को राष्ट्रीय दिवस घोषित करते हुए 26 दिसम्बर को वीरबाल दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

उक्त शहादत दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर विद्यालयों/महाविद्यालयों में विविध गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए गए है। स्कूल - कॉलेज के विद्यार्थियों को सम्मिलित करते हुए बाबा जोरावर सिंह व बाबा फ्तेह सिंह के शहादत की स्मृति में भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ईएमटी पद के लिए अनंतिम मेरिट सूची जारी

कोरबा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा के द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत 102 महतारी एक्सप्रेस एम्बुलेंस हेतु इमरजेन्सी मेडिकल टेक्नीषियन ;ईएमटीद्ध के 14 पदों हेतु पात्र/अपात्र सूची प्रकाशन कर दिनांक 28.11.2025 को सायंपांच बजे तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरबा से प्राप्त जानकारी अनुसार दावा आपत्ति निराकरण पश्चात् दावा अपत्ति निराकरण सूची एवं अंनंतिम मेरिट सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा कोरबा जिले के शासकीय वेबसाईटूणवतइंहवअण्पद मे सर्व संबंधितों के अवलोकनार्थ एवं दावा आपत्ति हेतु अपलोड़ कर दिया गया है।अनंतिम मेरिट सूची के समस्त कॉलमों का उम्मीद्वारों द्वारा सूक्ष्म अवलोकन कर दावा आपत्ति कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा में 31 दिसंबर 2025 समय 5:00 बजे तक मय आवश्यक दस्तावेज सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिला चिकित्सालय में प्रगतिरत व प्रस्तावित कार्यों की कार्यप्रगति में तेजी लाकर समयसीमा में कार्यों को पूरा कराएं - आयुक्त

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने जिला चिकित्सालय कोरबा में प्रगतिरत व प्रस्तावित निर्माण कार्यो का किया स्थल निरीक्षण

कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, समयसीमा में कार्य को पूरा करने तथा प्रस्तावित कार्यो की कार्यप्रक्रिया त्वरित रूप से पूर्ण कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के दिए निर्देश

कोरबा निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अभियंताओं, अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय कोरबा में जिला खनिज न्यास मद से कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो में अपेक्षित तेजी लाएं तथा कार्य को समयसीमा में पूर्ण करें, वहीं प्रस्तावित निर्माण कार्यो की कार्यप्रक्रिया में गति लाकर कार्यो को शीघ्र प्रारंभ कराएं। उन्होने कहा कि कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष नजर रखें तथा यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ किए गए हैं, उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्य की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का कम्प्रोमाईज स्वीकार्य नहीं होगा तथा कार्यो में लेट-लतीफी क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देश पर आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने नगर निगम कोरबा के अधिकारियों व अभियंताओं की टीम के साथ कोरबा जिला चिकित्सालय परिसर का भ्रमण करते हुए वहॉं पर जिला खनिज न्यास मद से कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया, साथ ही वहॉं पर प्रस्तावित निर्माण कार्यो का स्थल निरीक्षण कर कार्यप्रक्रिया में तेजी लाने एवं प्रस्तावित कार्यो को शीघ्र प्रारंभ किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिला चिकित्सालय कोरबा में जिला खनिज न्यास मद से लगभग 30 लाख रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त वेटिंग हाल का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका कार्य वर्तमान में प्रगति पर है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने वेटिंग हाल निर्माण कार्य की कार्यप्रगति का अवलोकन किया, कार्य की गुणवत्ता को देखा तथा अभियंताओं को निर्देश दिए कि वेटिंग हाल निर्माण कार्य में अपेक्षित तेजी लाएं, कार्य की गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखें एवं समयसीमा में कार्य को पूरा कराएं। इसी प्रकार हास्पिटल में 41 लाख 13 हजार रूपये की लागत से एस.एन.सी.यू. रूम का निर्माण कार्य भी वर्तमान में प्रगति पर है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं कार्य पूर्णता के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। अस्पताल परिसर में जिला खनिज न्यास मद से ही शेड का निर्माण किया जा रहा है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हुए कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए हैं।

एन.आर.सी. बिल्डिंग व रेडक्रास सोसायटी भवन निर्माण कार्यो की कार्यप्रक्रिया जल्द पूरी कर कार्यप्रारंभ कराएं - जिला चिकित्सालय परिसर में जिला खनिज न्यास मद से 28 लाख 36 हजार रूपये की लागत से एन.आर.सी.बिल्डिंग का निर्माण निगम द्वारा किया जाना हैं, जिसकी निविदा प्रक्रिया प्रक्रिया पर है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने एन.आर.सी.बिल्डिंग हेतु स्थल चिन्हाकंन सुनिश्चित कर टेण्डर की कार्यप्रक्रिया नियमानुसार जल्द से जल्द पूरी कर कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार जिला खनिज न्यास मद से ही 79 लाख 49 हजार रूपये की लागत से परिसर में रेडक्रास सोसायटी भवन का निर्माण भी कराया जाना हैं, जिसकी निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त महत्वपूर्ण निर्माण कार्य को भी शीघ्र प्रारंभ किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जल निकासी प्रबंधन हेतु नालियों का होगा निर्माण - हास्पिटल स्टाफके आवासगृहों एवं उक्त सम्पूर्ण परिसर में जल निकासी प्रबंधन हेतु जिला खनिज न्यास मद से 01 करोड़ 94 लाख 70 हजार रूपयेय की लागत से नालियों का निर्माण व अन्य सहायक व्यवस्थाएं की जानी हैं, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त कार्य का स्थल निरीक्षण किया तथा कार्य की सभी आवश्यक कार्य प्रक्रियाओं को त्वरित रूप से पूर्ण करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

धरती ने ओढ़ी हरियाली, मन ने पाया भरोसा, सुव्यवस्थित धान विक्रय से मुस्कुराया किसान’

ऑनलाइन टोकन से उपार्जन केंद्र तक सहज सफ र किसान जसवंत सिंह ने महसूस की राहत’

कोरबा संवाददाता।

कोरबा, जब सूरज की किरणें योजनाओं की छांव बनकर खेतों पर उतरती हैं, जब बीज को भरोसे का सहारा और सिंचाई को समय का साथ मिलता है, तब धरती केवल फ्सल नहीं उगाती वह किसान के सपनों को भी संवारती है। मेहनत के हर कण को जब उचित मूल्य और सम्मान मिलता है, तब खेतों में बहा पसीना मुस्कान में बदल जाता है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में यही परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। किसान आज निश्ंिचत हैं, आश्वस्त हैं और भरोसे के साथ खेती कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी नीतियों, सुव्यवस्थित धान उपार्जन व्यवस्था और तकनीक आधारित सुविधाओं ने किसानों के मन से चिंता हटाकर विश्वास का दीप जलाया है। यह वही भरोसा है, जो किसानों को उत्साह के साथ उत्पादन और खुशहाली के साथ विक्रय की ओर अग्रसर कर रहा है। प्रदेश सहित कोरबा जिले में धान उपार्जन की पारदर्शी, सुगम और तकनीक-आधारित व्यवस्था किसानों को राहत प्रदान कर रही है। घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा और उपार्जन केंद्रों पर बेहतर व्यवस्थाओं ने किसानों के मन को जीत लिया है।

जिले के ग्राम अरदा निवासी किसान श्री जसवंत सिंह लगभग साढ़े तीन एकड़ भूमि में खेती करते हैं। उन्होंने शासन की टोकन तुंहर ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया और निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर सहजता एवं संतोष के साथ धान का विक्रय किया। श्री सिंह द्वारा इस वर्ष 36 क्विंटल 80 किलोग्राम धान का विक्रय छुरी उपार्जन केंद्र में किया गया। पिछले वर्ष भी उन्होंने लगभग 68 क्विंटल धान का विक्रय किया था।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही सुविधाओं से वे पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था, उपार्जन केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं, समयबद्ध प्रक्रिया और अधिकारियों का सहयोगात्मक व्यवहार इन सभी से किसान को सम्मान और संतोष मिलता है। उन्होंने कहा, आज किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहा है। यह सब माननीय मुख्यमंत्री श्री साय के मार्गदर्शन और उनकी किसान हितैषी नीतियों के कारण संभव हो पाया है। सरकार ने हमारी मेहनत को सही मूल्य दिया है, इसके लिए हम उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं।

कैदियों की सुविधों, स्वास्थ्य और विधिक सहायता की हुई गहन समीक्षा

कोरबा (आरएनएस)। न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने एवं बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से श्री संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला जेल कोरबा का सघन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध कैदियों की स्थिति, उन्हें उपलब्ध करायी जा रही मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान बोर्ड सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया। उसमें कौदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य सामान्य उपयोग के स्थान शामिल रहे। अधिकारियों ने कौदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उसी समस्याओं आवश्यकताओं एवं दैनिक दिनचर्या की जानकारी प्राप्त की। भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानकों, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति, शिक्षा कर्यक्रमों जैसी गतिविधियों का भी आकलन किया गया। जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जांच की गयी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैदियों को समय पर और सरल रूप से कानूनी सहायता प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संतोष शर्मा के अध्यक्षता में जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि कैदियों के लिए स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थय परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाए। वहीं निरीक्षण के दौरान 17 महिला एवं 189 पुरूष बंदी जेल में रहे। इस संयुक्त निरीक्षण में सुश्री मयुरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्टेब्ट, कु. त्रातिकु. ग्रेसी - न्यायिक मजिस्टेट, प्रथम श्रेणी, श्री ओमप्रकाष यादव- अपर कलेक्टर कोरबा, श्री नीतिष सिह ठाकुर- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजय लक्ष्मी- लोक निर्माण विभाग, सी.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तामेष्वर उपाध्याय- जिला षिक्षा अधिकारी, दिपेष भारती रोजगार अधिकारी, विनय कुमार उद्योग अधिकारी, श्री मुकेष कुमार वेलफेयर अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग से उपसंचालक हरीश सक्सेना उपस्थित रहे।

रजत जयंती अवसर पर 121 वरिष्ठजनों का सम्मान एवं 729 जीवन सहायक उपकरणों का वितरण

कोरबा रजत जयंती के अवसर पर वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सहयोग के उद्देश्य से जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग तथा जनपद पंचायत कोरबा के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार की कम्पनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर कार्यक्रम अंतर्गत निःशुल्क जीवन सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन भारत भवन, भैसमा में किया गया। कार्यक्रम में कुल 121 वरिष्ठजनों को 729 सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बीजमोती, उपाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या देवी, जनपद सदस्य भैसमा श्री भूपेंद्र, सरपंचगण, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज में वरिष्ठजनों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके मार्गदर्शन की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने सभी वरिष्ठजनों के दीर्घ, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

बालको ने सुरक्षा को बनाया कार्य संस्कृति का आधार, ‘सुरक्षा संकल्प’ के 4 साल पूरे

कोरबा-बालकोनगर । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी प्रमुख मासिक सुरक्षा पहल ‘सुरक्षा संकल्प’ के चार वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि कार्यस्थल सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बालको की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शुरुआत से ही यह सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, सक्रिय सहभागिता और सतत सुधार के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में स्थापित हुई है, जो सुरक्षा प्रबंधन के प्रति बालको के प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दिसंबर 2021 में शुरू की गई सुरक्षा संकल्प सुरक्षा को किसी स्वतंत्र गतिविधि के बजाय मूल प्रचालन अनुशासन के रूप में स्थापित है। प्रत्येक माह की पहली तारीख को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम काउंसलिंग, खतरा आकलन, रियल-टाइम फीडबैक और सुधारात्मक कार्यो की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करता है। बीते चार वर्षो में इस पहल ने कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार के बीच नियमों के पालन, जोखिम के प्रति जागरूकता और जवाबदेही को उल्लेखनीय रूप से मजबूत किया है। इसके 48वें सत्र में 1,500 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार की भागीदारी रही, जो इसकी व्यापक सहभागिता को दर्शाती है। हर माह एक विशेष सुरक्षा विषय पर केंद्रित सत्रों के माध्यम से सार्थक चर्चाएं, ऑडिट और सुधारात्मक कदम संभव हुए हैं, जिससे संगठन में साझा जिम्मेदारी और मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित हुई है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में सुरक्षा हमारी ‘जीरो हार्म’ सोच पर आधारित एक निरंतर प्रतिबद्धता है। सुरक्षा संकल्प ने हमें अपने प्रचालन में सुरक्षा से जुड़े व्यवहारों को नियमित रूप से परखने और सुधारने की क्षमता को सुदृढ़ करने में मदद की है। हम केवल नियमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कर्मचारियों में जागरूकता, जिम्मेदारी और सही मानसिकता विकसित करने पर जोर देते हैं। नियमित संवाद और तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सुरक्षा हमारी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनी रहे। सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम के तहत सड़क एवं यातायात सुरक्षा, संकुचित स्थानों का सुरक्षित प्रबंधन, स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार आधारित सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया जाता है। मासिक थीम के अंतर्गत 3,000 से अधिक संकुचित स्थानों का विशेष ऑडिट कर संभावित जोखिमों की पहचान की गई और उन पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की गई।

महापौर ने इलेक्ट्रिक ताप हीटर का किया वितरण, ठिठुरन भरी ठंड से लोगों को मिलेगी राहत

इलेक्ट्रिक हीटर के उपयोग से एक ओर जहॉ ठंड से मिलेगी राहत, तो वहीं दूसरी ओर धुएं व प्रदूषण से मिलेगी मुक्ति

कोरबा (आरएनएस)। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने रैनबसेरा आश्रय स्थलों आदि में ठहरने वाले नागरिकों को ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने इलेक्ट्रिक ताप हीटर का वितरण किया, इलेक्ट्रिक ताप हीटर के उपयोग से एक ओर जहॉं लोगों को पर्याप्त गर्मी प्राप्त होगी, ठंड से राहत मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर ठंड से बचने हेतु जलाए जाने वाले कोयला लकड़ी से उत्पन्न धुएं व प्रदूषण से मुक्ति भी मिलेगी। रैनबसेरा में इलेक्ट्रिताप हीटर के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य अजय गोंड़ व ममता यादव, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, राहुल मिश्रा, विपिन मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा एक सराहनीय व अभिनव पहल करते हुए लगातार बढ़ रही ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने हेतु बिजली से चलने वाले तथा सुरक्षित रूप से पर्याप्त गर्मी उत्पन्न करने वाले इलेक्ट्रिक ताप हीटर शहर में स्थित रैनबसेरा आश्रय स्थल, वृद्धाश्रम, बस स्टैण्ड, प्रमुख चैक-चैराहों पर लगाए जा रहे हैं। आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम की इस अभिनव पहल का शुभारंभ करते हुए जिला चिकित्सालय मेडिकल कालेज कोरबा परिसर में स्थित रैनबसेरा पहुंची तथा इलेक्ट्रिक ताप हीटर प्रदान किया। उन्होने रैनबसेरा में पुरूष कक्ष एवं महिला कक्ष के लिए पृथका-पृथक 02 नग इलेक्ट्रिक ताप हीटर उपलब्ध कराया तथा रैनबसेरा में उपस्थित लोगों से उनका हालचाल व कुशलक्षेम की जानकारी लेते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

लगेंगे 15 नग इलेक्ट्रिक हीटर -

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा शहर में स्थित रैनबसेरा, आश्रय स्थल, वृद्धाश्रम, प्रमुख चैक-चैराहों व सार्वजनिक स्थलों, बस स्टैण्ड आदि में 15 नग इलेक्ट्रिक ताप हीटर एक-दो दिन के अंदर ही स्थापित कर दिए जाएंगे। उन्होने कहा कि निगम की इस अभिनव पहल का उद्देश्य रैनबसेरा आश्रय स्थलों में रहने वाले लोगों तथा जरूरतमंदों, राहगीरों को ठिठुरन भरी ठंड से बचाना है ताकि उन्हें ठंड से राहत मिल सके।

इलेक्ट्रिक हीटर से न धुआं होगा, न प्रदूषण - महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आगे कहा कि इलेक्ट्रिक ताप हीटर का उपयोग करने से न तो धुएं की समस्या होगा, और न ही प्रदूषण भी होगा। उन्होने कहा कि इलेक्ट्रिक हीटर सुरक्षित रूप से कार्य करेंगे तथा उनसे पर्याप्त मात्रा में गर्मी उत्सर्जित होगी तथा लोगों को धुएं व प्रदूषण की समस्या का सामना किए बिना ठंड से बचाव होगा।

प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग के उपयोग पर कार्यवाही, 1000 रू. का लगा अर्थदण्ड

यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की कोचिंग के लिए 28 को प्राक्कयन परीक्षा आयोजित

कोरबा एजेंसी।

राजीव युवा उत्थान योजना वर्ष 2019 के भाग (।) अनुसार वर्ष 2025-26 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्रआमंत्रित किए गए थे। परीक्षण उपरांत अभ्यर्थियों का 28 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को रायपुर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों में प्राक्कयन परीक्षा आयोजित की गई है। परीक्षा का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे निर्धारित है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने इस सम्बंध में बताया कि उक्त प्राक्कयन परीक्षा हेतु जिन अभ्यर्थियों को अभिलेखों के अभाव में बैठने हेतु अपात्र कियागया है, उन्हें भी प्रावधिक रूप से 28 दिसम्बर को आयोजित इस प्राक्कयन परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा उपरांत भी इन अभ्यर्थियों की अभिलेख पुनः अपूर्ण पाये जाने की स्थिति में अभ्यर्थिता निरस्त की जाएगी।अभ्यर्थी विभागीय वेबसाईटू्ण्जतपइंसण्बहण्हवअण्पद तथा से परीक्षा केन्द्र, रोल नंबर कीजानकारी के साथ फोटो युक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित परीक्षा केन्द्र में लाना सुनिश्चितकर सकते है। उन्होंने बताया कि परीक्षा हेतु बालक बालिका के लिए अलग अलग परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिसमें प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, पहाड़ी चैक, तिलक नगर, गुढियारी रायपुर में रोल नंबर 20250001 से 20250386 तक(कुल 386 अभ्यर्थी) केवल बालिकाओं हेतु एवं प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सडडू उरकूरा मार्ग रायपुर में रोल नंबर 30250001 से 30250701 तक (कुल 701 अभ्यर्थी) केवल बालकों हेतु केंद्र परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है।

राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी और पंडित मदनमोहन मालवीय के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें नमन किया

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदनमोहन मालवीय के जन्म दिवस पर उन्हें नमन किया है। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्री वाजपेयी और मालवीय जी को नमन किया।राज्यपाल ने कहा है कि श्री वाजपेयी जी एक महान राजनेता, सशक्त वक्ता, कवि और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। श्री वाजपेयी के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। श्री डेका ने सुशासन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि श्री वाजपेयी जी के आदर्शों को हम जीवन में उतारने का संकल्प लें।श्री डेका ने कहा है कि पंडित मदनमोहन मालवीय ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति एवं अथक प्रयासों से बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की और शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया। उनके आदर्श एवं चरित्र हम सभी के लिए प्रेरक है। इस अवसर पर राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर नमन किया।

धान के रकबे और खसरे में कटौती को लेकर किसानों की आशंका है कि अगले साल सरकार खरीदी कम या बंद कर सकती है

रायपुर। संवाददाता। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के प्रतिनिधियों ने आज दुर्ग ब्लाक के बोरी गारका के धान खरीदी केंद्र में किसानों से संवाद किया, किसानों ने बताया कि इस साल गिरदावरी में अनेक किसानों के रकबे और खसरे में कटौती की गई है इसके अलावा खेत में धान बोने के बावजूद रिपोर्ट में धान नहीं बोने की टिप्पणी दर्ज की गई है जिसके कारण किसानों को रिपोर्ट दुरूस्त कराने के लिए भटकना पड़ रहा है जिससे हजारों किसान धान बेचने से वंचित रह सकते हैं, किसानों ने आशंका जताई है कि सरकार की मंशा किसानों का पूरा धान खरीदी करने की नहीं है, किसानों ने इस बात की आशंका जताई है कि अगले साल सरकार धान की सरकारी खरीदी कम या बंद कर सकती है, किसानों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के संयोजक एड राजकुमार गुप्त ने कहा कि राज्य सरकार ने इस साल एक करोड़ साठ लाख टन धान खरीदी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें से एक करोड़ टन धान एम एस पी पर खरीदी करेगा जिसके लिए 24 हजार करोड़ रुपए का राज्य सरकार को भुगतान किया जाएगा शेष साठ लाख टन धान खरीदी राज्य सरकार अपने बजट से खरीदी करने वाली है अंतर की राशि को जोड़कर राज्य सरकार को 26 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को करना होगा राज्य सरकार के लिए यह भारी आर्थिक बोझ है जिससे वह छुटकारा पाना चाहता है इसलिए इस साल अनेक प्रकार के उपाय किए गए हैं और किसानों को परेशान किया जा रहा है।

सांसद खेल महोत्सव – 'फिट युवा, विकसित भारत' का भव्य समापन : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

रायपुर। सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' का समापन समारोह आज पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया तथा देशभर के सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। ऑडिटोरियम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के प्रेरक उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत सुशासन दिवस की शुभकामनाओं के साथ करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' जैसे आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह महोत्सव लगभग चार महीनों तक रायपुर संसदीय क्षेत्र के 36 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने इस व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल को विशेष बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेलों में केवल पहला, दूसरा या तीसरा स्थान ही सबकुछ नहीं होता, बल्कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट, समर्पण और सतत अभ्यास के गुण ही किसी को महान खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महोत्सव से अनेक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अलंकरण समारोह पुनः प्रारंभ किया गया है। ओलंपिक में प्रदेश के खिलाड़ी के चयन पर 21 लाख रुपये तथा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और जनवरी माह में यहां पुनः बड़े मैचों का आयोजन किया जाएगा।

सीएम साय ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 115 शहरों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री द्वारा 187 करोड़ रुपये के 23 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राज्य के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। उन्होंने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 186 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपये के 17 कार्यों का भूमिपूजन तथा एक करोड़ 49 लाख रुपये के 6 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रकाशित अटल परिसरों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के पाँच हितग्राहियों को भवन निर्माण अनुज्ञा-पत्र एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पाँच महिला हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के चेक वितरण किए गए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में अटलजी की 101वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित नागरिकों को सुशासन दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासी आज अटलजी को कृतज्ञतापूर्वक नमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटलजी तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे, वे अजातशत्रु, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि एवं श्रेष्ठ साहित्यकार थे। विरोधी दल भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अटलजी ने गांव-गांव तक पक्की सड़कों का जाल बिछाया और बारहमासी सड़कों से ग्रामीण भारत को जोड़ा, जिससे छह लाख से अधिक गांवों में विकास के द्वार खुले। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सुलभ कृषि ऋण उपलब्ध कराया गया, जिसका लाभ आज करोड़ों किसान उठा रहे हैं। अटल जी ने आदिम जाति विकास मंत्रालय का गठन कर उन्होंने आदिवासी कल्याण की योजनाओं को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया गया है। इससे पूर्व 60 स्थानों पर परिसरों का लोकार्पण हो चुका है। अटलजी के जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर निर्मित किए जा रहे हैं, ताकि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटलजी की स्मृतियाँ चिरस्थायी बनी रहें। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के पश्चात छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति मिली है। अटलजी की दूरदृष्टि और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रायपुर में 1023 आवासों की स्वीकृति दी गई है।

विधायक श्री किरण सिंह देव ने कहा कि अटलजी ने अपना वादा निभाते हुए छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया। आज डबल-इंजन की सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'गुड गवर्नेंस' की अवधारणा को देश ने अटलजी के नेतृत्व में अनुभव किया।

विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कहा कि प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण होते हुए भी आर्थिक रूप से पिछड़े इस क्षेत्र की आवश्यकता को अटलजी ने पहचाना और नया राज्य देकर विकास का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि बीते दो वर्षों में रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं।महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायपुर शहर का सर्वांगीण विकास हो रहा है और विकास के कार्य अंतिम पंक्ति तक पहुँच रहे हैं।नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस ने अपने स्वागत उद्बोधन में अटल परिसरों के निर्माण तथा आज लोकार्पित एवं भूमिपूजित कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने फरसागुड़ा पहुंचकर कश्यप परिवार को बंधाया ढांढस

जगदलपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को बस्तर जिले के वन मंत्री केदार कश्यप के गृहग्राम फरसागुड़ा स्थित निवास पहुंचकर कश्यप परिवार से मुलाकात की। उन्होंने प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और पूर्व सांसद दिनेश कश्यप की माताजी मनकी देवी कश्यप के निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। विदित हो कि मनकी देवी कश्यप का निधन बीते रविवार 21 दिसंबर को हुआ था। इस दुखद घड़ी में कश्यप परिवार को संबल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री शर्मा स्वयं उनके निवास पहुंचे। वहां उन्होंने दिवंगत मनकी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने शोकाकुल मंत्री केदार कश्यप, दिनेश कश्यप और अन्य परिजनों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने मनकी देवी कश्यप के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय बिताया और दुख की इस घड़ी में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर हरिस एस, एसपी शलभ सिन्हा और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़, मोदी जी इसे संवार रहे – उद्योग मंत्री

राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री वष्णुदेव साय के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों ने

रायपुर। राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों नेराजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों ने प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज सुशासन दिवस के अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को संवारने का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के संबंध में जितना भी कहा जाए, वह कम है, उन्होने अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिनका सम्मान विपक्षी नेता भी करते थे तथा देश का हर वर्ग उनकी कार्यशैली, उनके आचरण व उनके सिद्धांतों का कायल था।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा में आयोजित सुशासन दिवस के अवसर पर कही। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी जी की 101 वीं जयंती पर आज जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विवेकानंद उद्यान के सामने स्थित अटल परिसर में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया, आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान की, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, तो वहीं कार्यक्रम में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, श्री गोपाल मोदी, प्रभारी कलेक्टर व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन कार्उसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अटल परिसर में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम की शुरूआत कराई, वहीं राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दिए गए अभिभाषण का श्रवण भी अतिथियों व नागरिकों के द्वारा किया गया, उपस्थितजन राजधानी रायपुर के उक्त सम्पूर्ण आयोजन में आनलाईन रूप से शामिल भी हुए। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि आज अत्यंत शुभ दिन है, अटल जी की जन्मजयंती के दिन आज प्रदेश के 115 शहरों में अटल परिसर का लोकार्पण हुआ है, उन्होने कोरबा में निर्मित अटल परिसर की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ अटल परिसर है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रदेश के गांव-गांव में अटल चौक का निर्माण कराया था, और अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव प्रदेश के सभी शहरों में अटल परिसर का निर्माण कराया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल से औपनिवेशिक परंपरा में ऐतिहासिक बदलाव

प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य के मंत्रीगणों और पुलिस के आला अधिकारियों को सामान्य दौरे, निरीक्षण, भ्रमण के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने की औपनिवेशिक परंपरा को समाप्त कर दिया गया है। गृह विभाग द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के नियमों में संशोधन किए जाने का आदेश जारी कर दिया गया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल पर गृह विभाग ने गार्ड ऑफ ऑनर की औपनिवेशिक काल से चली आ रही परंपरा की समीक्षा करने के उपरांत इसमें संशोधन का आदेश जारी किया है। इसका उद्देश्य पुलिस बल की कार्यक्षमता का उपयोग कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और औपनिवेशिक सोच से जुड़ी परंपराओं को समाप्त करना है। गौरतलब है कि गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्वयं विभाग के अधिकारियों को गार्ड ऑफ ऑनर की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा कर इसमें वर्तमान स्थिति में आवश्यकतानुसार बदलाव करने के निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में गृह विभाग ने पुलिस बल को अनावश्यक औपचारिकताओं से मुक्त कर उनकी कार्यक्षमता का उपयोग उनके मूल दायित्वों के पालन के लिए यह संशोधन किया है। सामान्य दौरों में सलामी गारद समाप्त जारी आदेश के तहत राज्य के भीतर सामान्य दौरों, आगमन-प्रस्थान एवं निरीक्षण के दौरान अब गृहमंत्री, समस्त मंत्रीगण, पुलिस महानिदेशक सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑनर) नहीं दिया जाएगा। जिला भ्रमण, दौरे या निरीक्षण के समय पूर्व में प्रचलित सलामी व्यवस्था को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है। इससे पुलिस बल का समय और ऊर्जा का प्रभावी उपयोग सुरक्षा, कानून-व्यवस्था तथा जनसेवा के कार्यों में हो सकेगा। राष्ट्रीय एवं राजकीय आयोजनों में यथावत व्यवस्था यह प्रतिबंध राष्ट्रीय और राजकीय समारोहों पर लागू नहीं होगा। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त), शहीद पुलिस स्मृति दिवस (21 अक्टूबर), राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर), राजकीय समारोहों तथा पुलिस दीक्षांत परेड जैसे अवसरों पर औपचारिक सलामी गारद की व्यवस्था पूर्ववत रहेगी। संवैधानिक पदों के लिए प्रोटोकॉल जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रोटोकॉल के अनुसार संवैधानिक पदों पर आसीन महानुभावों एवं विशिष्ट अतिथियों के लिए सलामी गारद की व्यवस्था पहले की तरह यथावत रहेगी।

जन्म-शताब्दी वर्ष में सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण-अटलजी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने का संकल्प

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 186 करोड़ 98 रुपए लागत के 23 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपए के 17 कार्यों का भूमिपूजन और एक करोड़ 49 लाख रुपए के छह कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ रुपए की लागत से तेलीबांधा चौक पर निर्मित सिंदूर पथ, 49 लाख रुपए से अटल एक्सप्रेस-वे में फुंडहर चौक पर विकसित अटल परिसर और कोर्ट परिसर के पास बनाए गए वनभैंसा के साथ ही आईएसबीटी, मोवा ब्रिज और विधानसभा ब्रिज के नीचे बनाए गए बॉक्स क्रिकेट पिच का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडरी बस स्टैंड के पीछे 14 करोड़ 71 लाख रुपए तथा नरैया तालाब के पास 14 करोड़ 66 लाख रुपए के कामकाजी महिला छात्रावास का भूमिपूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत तेलीबांधा चौक के पास 39 करोड़ 31 लाख रुपए के टेक्नीकल टॉवर और खम्हारडीह में 20 करोड़ 93 लाख रुपए के 2500 किलोलीटर क्षमता के नवीन जलागार का भी भूमिपूजन किया। श्री साय ने दलदल सिवनी अम्युजमेंट पार्क के पास 11 करोड़ 42 लाख रुपए के नालंदा परिसर, पचपेड़ी नाका से सीएसईबी चौक तक 13 करोड़ 39 लाख रुपए के गौरवपथ तथा 11 करोड़ 17 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो एवं दो करोड़ 79 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो के लिए इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन का भूमिपूजन किया। उन्होंने लाभांडी और फुंडहर में 35 करोड़ 73 लाख रुपए के राइजिंग एवं डिस्ट्रीब्युशन पाइपलाइन, विधायक कॉलोनी से अविनाश वन होते हुए एनएच-53 तक एक करोड़ 94 लाख रुपए के नाला पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ 23 लाख रुपए के सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा श्रीराम मंदिर के पास एक करोड़ 98 लाख रुपए के आरसीसी कवर्ड नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने रायपुर-ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-उत्तर विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ 99 लाख रुपए के दतरेंगा मोड़ से चन्द्रा टाउन, महादेव घाट रोड तक सड़क सुदृढ़ीकरण, दो करोड़ 52 लाख रुपए से शहर के विभिन्न स्थानों में सड़क मरम्मत एवं बीटी टॉपिंग कार्य तथा दो करोड़ 71 लाख रुपए से शहर के विभिन्न मार्गों में बीटी टॉपिंग एवं पैच रिपेयर कार्य का भूमिपूजन किया।

रायपुर जिले में ईसीसीई वार्षिक मेले का आयोजन, खेल-खेल में बच्चों की सीख को मिला बढ़ावा

रायपुर । रायपुर जिले में दिनांक आज को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईसीसीई वार्षिक मेले का सफल आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता तथा सीखने की प्रक्रिया को खेल-खेल में प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर द्वारा मन्दिर हसौद परियोजना के भानसोज, सुन्डी, नारा, सिवनी एवं गोढी स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित मेले का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव एवं संचालक महोदया द्वारा अभनपुर परियोजना के निमोरा केंद्र में आयोजित मेले का निरीक्षण किया गया। मेले में शैक्षणिक खेल, रचनात्मक गतिविधियाँ, चित्रकला, कहानी-कथन, बाल गीत, नृत्य एवं सीखने से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों एवं परियोजना अधिकारियों ने ईसीसीई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पोषण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को बच्चों की प्रतिभा निखारने में सहायक बताया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इस तरह के रचनात्मक एवं शिक्षाप्रद आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की बात कही गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर 492001 छ.ग. से मुद्रित तथा C-50 रामा लाईफ सिटी, साकरी, बिलासपुर 495003 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक - राजेश अग्रवाल ।
(किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा) www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily